RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 करोड़पति बनने वाली हैं सारा ...

वर्ष : 27 | अंक : 240 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जस्टिस सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इनके नाम का एलान किया। उन्होंने बताया कि विपक्ष ने एकमत होकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी के नाम पर सहमति जताई है। इससे पहले विपक्षी गठबंधन %इंडिया% के नेताओं ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नाम पर फैसला लेने और उसकी घोषणा करने के लिए 10 राजाजी मार्ग पर बैठक की थी। बैठक के बाद विपक्ष ने उनके नाम का एलान किया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी 21 अगस्त को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है। वे आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में काम कर चुके हैं। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। वे एक गरीब हितैषी व्यक्ति हैं। यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा (शेष पृष्ठ-3 पर)

पंकज सिंह ने सर्फाबाद में लगाई जनसंवाद चौपाल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधायक चले गाँव की ओर अभियान के तहत आज नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने सर्फाबाद, सोहरखा, चौड़ा तथा हरौला गाँव का दौरा करेंगे।

इसी के तहत वे आज सबसे पहले गाँव सर्फाबाद पहुंचे। वहां सेक्टर-72 स्थित बारातघर में उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। सभी समस्याएं सुनने के बाद उन्होंने प्राधिकरण के अधिकारियों को समस्याएं नोट कराई तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष महेश चौहान, चंदगीराम यादव, मंडल अध्यक्ष रामकिशन यादव, दीनबंधु, शशिधर उपाध्याय, अमित त्यागी, करतार चौहान, ओमबीर अवाना, रवि यादव, घनश्याम यादव, बृजपाल यादव, वीरपाल यादव, धर्मवीर यादव, रामे यादव, नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक (सिविल) ए.के. अरोड़ा, जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा, तथा अन्य विभागों के अधिकारी के अलावा बबलू यादव, विपुल शर्मा, रामनिवास यादव, नमिता चौबे, राजेश सिंह, भगत सिंह भाटी, उमेश पहलवान, धर्मपाल पहलवान, सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

विपक्षी दलों ने किया हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में मंगलवार को भी लोकसभा तथा राज्यसभा में विपक्ष की तरफ से जोरदार हंगामा किया गया। हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के हंगामे के कारण स्थगित हुई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही शुरू होने के साथ ही एक बार फिर से विपक्ष की तरफ से एसआईआर को लेकर जोरदार हंगामा किया गया।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,

लोस व रास की कार्यवाही स्थगित

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'ये हमारी पार्टी का स्टैंड है कि जो भी वोट चोरी हो रही है, वोट में बदलाव कर रहे हैं और वोटों की हेराफेरी हो रही है इसके खिलाफ हम पूरे देश में माहौल बनाना चाहते हैं कि लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। अगर ऐसे चोरी करके गद्दी पर बैठेंगे तो लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं है। ये संविधान की हत्या है।'

शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि अपनी नाकामियों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए, वे (विपक्ष) पहले EVM को दोष दे रहे थे और आज मतदाता सूची को दोष दे रहे हैं। उनके किसी प्रतिनिधि ने बॉम्बे हाईकोर्ट जाकर महाराष्ट्र चुनाव रद्द करने की जनहित याचिका दायर की, बॉम्बे हाईकोर्ट ने उसे खारिज कर दिया और सुप्रीम कोर्ट में अपील के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने भी उसे खारिज कर दिया। इसका साफ मतलब है कि विपक्ष की जिस मांग से वे लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें कोई दम नहीं है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

गाड़ी हटाने के विवाद में चाकू घोंपा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बोड़ाकी गांव में रास्ते में खड़ी गाड़ी हटाने के विवाद में दबंगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसे चाकू मार दिया। चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हुए युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

गांव बोड़ाकी निवासी राजवीर सिंह ने थाना दादरी में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 17 अगस्त की शाम को उनके घर रिश्तेदार आए थे उन्होंने अपने रिश्तेदार की गाड़ी अपने भाई अमित कुमार के घर के बाहर खड़ी करवा दी। रात्रि करीम वह अपने भाई के घर से रिश्तेदार की गाड़ी हटवाने के लिए बाहर आया इस दौरान गांव के ही महेंद्र तथा उसके बेटे अवधेश, सोनू, मनोज गाड़ी खड़ी होने को लेकर भद्दी भद्दी गालियां देनी शुरू कर दी। सुशील कुमार के मुताबिक उसके भाई अमित कुमार ने जब गाली देने से मना किया तो आरोपी दौड़कर अपने घर गए और लाठी डंडे लाकर अमित कुमार के की पिटाई शुरू कर दी। शोर शराबा सुनकर गांव के राहुल व राजू मौके पर आ गए और उन्होंने बीच बचाव का प्रयास किया इस दौरान अवधेश ने अमित कुमार को चाकू मार दिया। अमित को घायल करने के बाद चारों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए घायल अमित को दादरी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया यहां से उसकी हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के लिए रेफर कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पता नहीं बताया तो सर फोड़ दिया

नोएडा (चेतना मंच)। एड्रेस ना बताने से गुस्साए युवक ने दुकानदार के सिर पर सोडे की बोतल से वार कर उसे घायल कर दिया। घायल की बेटी ने आरोपी युवक के खिलाफ थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है।

अट्टा गांव में रहने वाली सिमरन गुप्ता ने बताया कि उसके पिता चंद्रप्रकाश सेक्टर-27 नोएडा मेट्रो गेट नंबर-1 के पास मॉस्क की दुकान लगाते हैं। 17 अगस्त को फैजल नाम का युवक उसके पिता की दुकान पर पहुंचे फैजल ने उनसे घड़ी की दुकान का पता पूछा। चंद्रप्रकाश ने एड्रेस के बारे में कुछ जानकारी होने से इनकार कर दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

महिला डाक्टर के साथ मारपीट, कान का पर्दा फटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र की यमुना गौर सिटी में दो युवकों ने एक रिटायर्ड महिला डॉक्टर के साथ मारपीट की। महिला डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

गौर यमुना सिटी के पार्क एवेन्यू सोसाइटी में रहने वाली रिटायर्ड डॉ. श्रुति सिंह (काल्पनिक नाम) ने अपने साथ मारपीट किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि वह 14 अगस्त की रात्रि को अपने परिचित नितिन भाटी निवासी मिर्जापुर के बुलावे पर यूपी 16 ढाबा पर गई थी। जब वह गाड़ी से वापस लौट रही थी तो नितिन भाटी ने उनकी कार को रुकवा कर बात करने को कहा। वह नितिन भाटी के साथ बात करने लगी। नितिन के साथ खड़े मोहित भाटी ने उनके साथ अभद्र भाषा में बातचीत की। इस पर जब उन्होंने विरोध जताया तो मोहित ने उसके साथ और अभद्र व्यवहार किया। उसके गुस्सा करने पर नितिन ने उसे कई थप्पड़ मार दिए। इस दौरान मोहित उसकी वीडियो बना रहा था डॉक्टर श्रुति का आरोप है कि मोहित ने भी उसके साथ मारपीट व धक्कामुक्की की (शेष पृष्ठ-3 पर)

- दो सफाई कर्मियों की मौत का मामला-

परिजनों को मिले 6.5-6.5 लाख, हुआ समझौता

परिजनों ने समझौते का दिया हलफनामा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-115 में पंपिंग स्टेशन के कुंए में सफाई के दौरान मृतक सफाई कर्मचारियों के मामले का पटाक्षेप हो गया है। प्राधिकरण के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ठेकेदार से दोनों मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख रूपये का चेक दिलवा दिया तथा अंतिम संस्कार के लिए 50-50 हजार रूपये की नकद धनराशि दिला दी गई। मृतकों के परिजनों ने इस बाबत प्राप्त धनराशि का उल्लेख करते हुए समझौते का हलफनामा भी लिखकर दे दिया है।

नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि शीघ्र ही ठेकेदार पर दबाब बनाकर मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की धनराशि और भी दिलाई जाएगी। बता दें कि 16 अगस्त को पंपिंग स्टेशन के कुएं की सफाई के दौरान विकास तथा उसके चचेरे भाई खुशहाल की मौत हो गयी थी। पुलिस ने एफआईआर के बाद ठेकेदार पुष्पेन्द्र तथा अजीत को गिरफ्तार कर लिया था। आरोप है कि जल एवं सीवर विभाग के शीर्ष अफसरों के कड़े निर्देश के बाद भी ठेकेदार ने दोनों सफाई कर्मियों को मास्क व सुरक्षा उपकरण के बिना कुएं में उतार दिया तथा जहरीली गैस के चपेट में आने तथा डूबने से दोनों की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। हालांकि इस हादसे में सीधे तौर पर प्राधिकरण जिम्मेदार नहीं है फिर भी जेई, प्रबंधक तथा वरिष्ठ प्रबंधक पर सीईओ ने कड़ी कार्रवाई की।

मुठभेड़ में दो वाहन चोर गिरफ्तार

चोरी की सेंट्रो, बोलेरो व ऑटो के पार्ट्स बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने बीती रात्रि मुठभेड़ के बाद दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया जबकि दूसरे को पुलिस ने कॉम्बिग के दौरान दबोच लिया। इनके पास से तमंचा कारतूस चोरी की (शेष-3 पर)

ससुरालियों ने पुत्रवधू व माँ का हाथ तोड़ा, 4 नामजद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मायके वालों को साथ लेकर अपनी ससुराल से बेटे को लेने पहुंची महिला के साथ उसके पति व अन्य लोगों ने मारपीट की मारपीट में महिला व उसकी मां के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। पीड़िता की शिकायत पर थाना ईकोटेक 3 पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

रश्मि (काल्पनिक नाम) में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका अपने पति से वाद विवाद चल रहा था इस कारण वह अपने मायके में रह रही थी 5 जून को वह अपनी मां भाभी बहन भाई के साथ अपनी ससुराल जलपुरा गांव पहुंची।

बेटे को लेने माँ संग गई थी ससुराल

घर पहुंचते ही उसके पति राजू व उसके भाई ओमप्रकाश राजेश राकेश आदि ने गाली गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की। रश्मि के मुताबिक उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी उसके शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर ली रश्मि के मुताबिक उसने जब अपना चिकित्सा परीक्षण कराया तो उसमें उसकी हड्डी टूटी मिली इसके अलावा उसके मन के हाथ में फ्रैक्चर है।

थाना प्रभारी का कहना है कि दोनों पति-पत्नी के बीच वाद विवाद चल रहा है पूर्व में रश्मि की शिकायत पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज की थी मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर उसमें धाराओं की वृद्धि की गई है।

गांजे की बड़ी खेप के साथ दो दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बार फिर ड्रग्स सिंडिकेट पर कड़ा प्रहार किया है। थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने गांजे की बड़ी खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

सेंट्रल जोन की थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने एनसीआर में गांजा तस्करी करने वाले गैंग का पर्दाफाश करते हुए 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक कुंतल 64 किलो गांजा बरामद हुआ है। बताया जाता है कि इस गांजा को एनसीआर के आसपास के इलाको, स्कूल कालेज में सप्लाई करने के लिए लाया गया था। तस्करों से बरामद गांजे की कीमत करीब 35 लाख रुपए के आसपास है। पुलिस तस्करों से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है। बता दें कि गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस पूर्व में भी गांजा तस्करों के खिलाफ कई बार बड़ी कार्रवाई कर भारी मात्रा में गांजा बरामद कर चुकी है।

अवैध निर्माण के मामले में लापरवाह लेखपालों पर होगी कार्रवाई : सीईओ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध निर्माण होने पर लेखपालों का उत्तरदायित्व निर्धारित कर कठोर कार्यवाही की जाएगी। लेखपाल संबंधित वर्क सर्किल के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही करें। यह निर्देश दिये नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने।

उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि अधिसूचित क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माण के संबंध में ग्रामवार, खसरा नम्बरवार एवं अतिक्रमण विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें तथा संबंधित थानों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराएं।

बता दें कि नोएडा की अधिसूचित जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण के खिलाफ लिए जा रहे एक्शन से प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारी नाखुश है। अब तक अवैध निर्माण को लेकर लिए गए एक्शन पर लेखपालों के साथ एक विस्तृत बैठक की गई।

ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने निर्देश दिए कि नोएडा की अधिसूचित जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण के संबंध में ग्रामवार, खसरा नंबर और अतिक्रमणकर्ता की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर संबंधित थानों में एफआईआर की जाए। इसके साथ जिन मामलों में थानों में शिकायत दी गई लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। प्रभावी पैरवी करके इसकी एक विस्तृत जानकारी बनाए और शीर्ष अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जाए। ताकि पुलिस के आला अफसरों से बातचीत कर एफआईआर दर्ज कराई जा सके। अवैध निर्माण के खिलाफ दिए गए नोटिस, संबंधित थानों में दी गई तहरीर , सील किए गए भवन की एक सूची बनाई जाए। यही नहीं नोएडा प्राधिकरण ने जिस स्थानों पर अधिसूचित बोर्ड लगाए है उनको ठीक किया जाए। यमुना और हिंडन डूब में अवैध निर्माण को रोकने के लिए जिला प्रशासन, सिचाई विभाग और पुलिस विभाग से समन्व्य कर प्रभावी कार्यवाही की जाए। इन मामलों में यदि थोड़ी सी भी लापरवाही बरतीह तो लेखपाल के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

बाइक सवार बदमाशों ने लैपटॉप समेत बैग छीना

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के कावेरी सिटी सेंटर के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से बैग छीन लिया। बैग में एप्पल का लैपटॉप, पर्स व जरूरी कागजात रखे हुए थे।

आशीष कुमार सुल्तानिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 6 अगस्त को कावेरी सिटी सेंटर के पास से जा रहा था इस दौरान बाइक पर आए दो युवक उसके हाथ से बैग छीन कर फरार हो गए आशीष कुमार के मुताबिक बाग में एप्पल का लैपटॉप, पर्स, मोबाइल फोन चार्जर व अन्य जरूरी कागजात रखे हुए थे।

पुलिस का कहना है की पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बाइक सवार बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है

जमीन अधिग्रहण को लेकर गठित 6 सदस्यीय कमेटी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में जमीन के अधिग्रहण करने के लिए एक कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी 15 दिनों में शासन को सुझाव देगी।

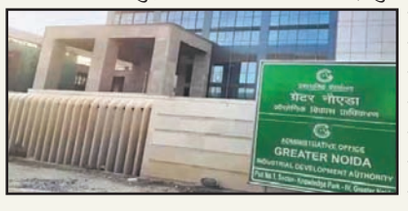

शासन की ओर से जमीन अधिगृहण , कारोबार को विकसित करने, रोजगार और निवेश को बढ़ाने के लिए एक समिति का गठन किया गया। ये समिति 15 दिनों में अपने सुझाव शासन को देगी। जिस पर अमल किया जाएगा।

इंवेस्ट यूपी ने ये प्रजेंटेशन 5 अगस्त को दिया। जिसमें यह भी सामने आया कि यदि किसी जमीन पर प्राधिकरण की अधिसूचना जारी होने से पहले कोई भवन बना है तो उसका नक्शा जिला पंचायत व स्थानीय नगर निकाय कि ओर से पास है। तो भी उसे दोबारा निर्माण के लिए प्राधिकरण से एनओसी लेनी पड़ती है। जबकि ऐसा संभव नहीं है।

इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने के लिए शासन स्तर पर छह सदस्य की एक कमेटी गठित की गई। जिसमें अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव नियोजन विभाग उप्र शासन को अध्यक्ष बनाया गया है। इस कमेटी में अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग को सदस्य , मुख्य कार्यपालक अधिकारी इवेस्ट यूपी को सदस्य और सचिव, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना एक्सप्रेस वे को सदस्य, मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक उप्र को सदस्य और प्रमुख सचिव , न्याय विभाग द्वारा नामित एक अधिकारी को सदस्य नामित किया जाएगा।

देश के अन्य राज्यों की औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अधिग्रहण नीति का विशलेषण कर प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश के लिए विकल्प तलाशना होगा।

नोएडा ग्रेटरनोएडा , यीडा और अन्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अधिसूचित क्षेत्र मास्टर प्लान क्षेत्र और अधिग्रहीत जमीन के डेटा का अध्यसन करके अधिसूचित क्षेत्र को अनलोक करने की रणनिति बनाई जाए।

पीएम का आर्थिक सुधार ऐलान

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से, स्वतंत्रता दिवस के मौके पर, 12वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण और सुखद घोषणा यह की कि साल के अंत तक हम 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप बनाने लगेंगे। यदि यह घोषणा जमीनी स्तर पर साकार हो जाए, तो आने वाले 10-15 सालों में भारत वाकई 'सोने की चिड़िया' वाला देश बन सकता है। यह अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि वैश्विक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के आकलन हैं। भारत एक व्यापक, विविध देश है, जनसंख्या 146 करोड़ से अधिक है, निवेश पर्याप्त हैं और सरकार की प्राथमिकता है, लिहाजा व्यापक स्तर पर 'चिप' का उत्पादन संभव है। हालांकि हम अभी चीन, अमरीका, ताइवान सरीखे देशों से बहुत पीछे हैं। वे 'चिप्स क्रांति' के देश हैं, जबकि भारत अभी शोध के दौर में रहा है। दुनिया डिजिटल क्रांति के दूसरे चरण में प्रवेश कर रही है, जहां सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण एक रणनीतिक ताकत बन चुके हैं, लेकिन भारत अब भी तैयारियों के शुरुआती मोड़ पर खड़ा है। हालांकि गुजरात और बेंगलुरु में कुछ प्लांट लगाए गए हैं। स्टार्टअप भी काम कर रहे हैं, लेकिन अभी राष्ट्रीय उत्पादन के लिहाज से हम पीछे हैं। चीन आज दुनिया की 'डिजिटल रीढ़' है। माइक्रोचिप से लेकर मोबाइल फोन और सर्वर तक, हर जगह, उसकी उपस्थिति है। अब भारत के लिए चिप का राष्ट्रीय उत्पादन, विस्तार और रोजगार 'तकनीकी संप्रभुता' का सवाल है। भारत के पास प्रतिभाशाली इंजीनियर और डिजाइनर हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों के लिए 'चिप निर्माण' के सूत्रधार बने हैं। यदि प्रधानमंत्री मोदी अपनी घोषणा को साकार कराने और उसे निरंतरता देने में सफल रहे, तो सेमीकंडक्टर चिप भारत के लिए 'तेल' साबित हो सकते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण और देशव्यापी घोषणा प्रधानमंत्री ने जीएसटी को लेकर की है। सरकार ने अपने प्रस्ताव जीएसटी परिषद को विचारार्थ भेज भी दिए हैं। जीएसटी के दायरे में 10 लाख से ज्यादा वस्तुएं हैं। उसकी स्लैब दरें 12 फीसदी से घटा कर 5 फीसदी की जाती हैं, तो यह देश के लिए वाकई 'दीपावली का तोहफा' होगा। ये वस्तुएं सस्ती हो सकती हैं-टूथ पाउडर, नमकीन, सूखे मेवे, टूथपेस्ट, साबुन, पेनकिलर दवाएं, सब्जियां, कंडेंस्ड मिल्क, कुछ मोबाइल और कम्प्यूटर, सिलाई मशीन, प्रेशर कुकर, 1000 रुपए से ज्यादा के रेडीमेड कपड़े, 500-1000 रुपए की रेंज वाले जूते, बर्तन, ज्योमेट्री बॉक्स, नक्शे, कृषि मशीनरी, सोलर वॉटर हीटर, पब्लिक वाहन, स्टोब, सीमेंट, फ्रिज, टीवी, एसी, वॉशिंग मशीन आदि। जाहिर है कि आम आदमी को राहत मिलेगी। अब सिर्फ दो ही स्लैब होंगे-5 फीसदी और 18 फीसदी। जीएसटी के दायरे में आने वाली मक्खन, फ्रूट जूस आदि वस्तुएं भी सस्ती होंगी। सरकार का आकलन है कि जीएसटी की दरें घटाने से लघु, सूक्ष्म, मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में नौकरियों के अवसर बढ़ेंगे, ठेका श्रमिक बढ़ेंगे, आम आदमी की खर्च योग्य आय भी बढ़ेगी। देश की अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और जीडीपी 0.6 फीसदी से 0.7 फीसदी तक बढ़ सकती है। रोजगार देश की एक बुनियादी समस्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपए की 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' की घोषणा की है। दावा किया जा रहा है कि इससे करीब 3.5 करोड़ युवाओं को नौकरियां और रोजगार मिल सकेंगे। इस संदर्भ में सवाल है कि क्या यह योजना बजटीय घोषणाओं से अलग है? सवाल यह भी है कि संसद में बजट पेश करते हुए एक घोषणा की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में युवाओं को इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। भत्ता भी मिलेगा, हुनर भी सीख सकेंगे, सरकार पहली नौकरी पर 15,000 रुपए भी देगी। उस योजना का क्या हुआ, देश को अद्यतन स्थिति ब्रीफ की जाए। प्रधानमंत्री मोदी लालकिले से 103 मिनट तक बोले। यह किसी भी प्रधानमंत्री का, लालकिले से, अभी तक सबसे लंबा भाषण है। प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों को छुआ और यह एक परंपरा रही है। अंतरिक्ष में भारत का स्टेशन बनाने की बात भी कही। हाल ही में अंतरिक्ष से यात्रा कर लौटे शुभांशु शुक्ला का भी प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया। अब अंतरिक्ष पर सोमवार को संसद में चर्चा प्रस्तावित है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि हाथों में बाण और धनुष बहुत ही शोभा देते हैं। रूप देखते ही चराचर (जड़-चेतन) मोहित हो जाते हैं। वे सब भाई जिन गलियों में खेलते (हुए निकलते) हैं, उन गलियों के सभी स्त्री-पुरुष उनको देखकर स्नेह से शिथिल हो जाते हैं अथवा ठिठककर रह जाते हैं। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0- कोसलपुर बासी नर नारि बृद्ध अरु बाल।
प्रानहु ते प्रिय लागत सब कहुँ राम कृपाल॥

कोसलपुर के रहने वाले स्त्री, पुरुष, बूढ़े और बालक सभी को कृपालु श्री रामचन्द्रजी प्राणों से भी बढ़कर प्रिय लगते हैं॥

बंधु सखा सँग लेहिं बोलाई। बन मृगया नित खेलहिं जाई॥
पावन मृग मारहिं जियँ जानी। दिन प्रति नृपहि देखावहिं आनी॥

श्री रामचन्द्रजी भाइयों और इष्ट मित्रों को बुलाकर साथ ले लेते हैं और नित्य वन में जाकर शिकार खेलते हैं। मन में पवित्र समझकर मृगों को मारते हैं और प्रतिदिन लाकर राजा (दशरथजी) को दिखलाते हैं॥

जे मृग राम बान के मारे। ते तनु तजि सुरलोक सिधारे॥
अनुज सखा सँग भोजन करहीं। मातु पिता अग्या अनुसरहीं॥

जो मृग श्री रामजी के बाण से मारे जाते थे, वे शरीर छोड़कर देवलोक को चले जाते थे। श्री रामचन्द्रजी अपने छोटे भाइयों और सखाओं के साथ भोजन करते हैं और माता-पिता की आज्ञा का पालन करते हैं॥ (क्रमशः..)

पीएम मोदी द्वारा आरएसएस की तारीफ किए जाने के बाद उभरे विपक्षी आलोचनात्मक स्वरों के सियासी मायने समझिए

देश-दुनिया की सबसे बड़ी अपंजीकृत गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ जब दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जो और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवा पार्टी है, के प्रखर नेता, ओजस्वी वक्ता, पूर्व संघ प्रचारक और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से की, तो वह कोई साधारण क्षण नहीं था, बल्कि आरएसएस की स्थापना के शतक वर्ष पर 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे प्रधानमंत्री के हृदय से निकला उद्गार है।

वहीं, सियासी रूप से मूढ और अकर्मण्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी (सपा) ने जिस तरह से प्रधानमंत्री के आरएसएस सम्बन्धी विचार की खिल्ली उड़ाई, उससे जनसेवा, समाजसेवा व राष्ट्रसेवा के प्रति उनका उपहास बोध उजागर हो गया। ये वही लोग हैं जिन्होंने दलित-पिछड़ों-अल्पसंख्यकों के शोषण के नाम पर सत्ता हथियाकर सामंती मानसिकता और परिवारवाद की सारी हदें पारकर खुद की सत्ता भी गवां दी। जो समाजवादी कांग्रेस विरोध के नाम पर जनसंघ-भाजपा के सहयोग से सत्ता में आए, राष्ट्रवादी व हिंदुत्व की जनभावना मजबूत होते ही भाजपा के विरोध में कांग्रेस से सांठगांठ कर लिया। वहीं, जो कांग्रेस मुस्लिम लीग विरोधी होने के चलते हिंदुओं के देश भारत की सत्ता पाई, वह जनसंघ/समाजवादियों के ब?ते प्रभाव से धर्मनिरपेक्षता का ढिंढोरा पीटने लगी।

यही वजह है कि जहां अंग्रेजों द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस ने इसे आरएसएस को खुश करने वाला कदम बताया। वहीं, कांग्रेस के दम पर मृत जातिवादी समाजवाद को जिंदा कर सकने वाली समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने इसे संघी साथियों द्वारा अंग्रेजों को धन्यवाद देने का पल करार दिया। शायद ऐसी सियासी उलटबासी परोसते हुए उन्हें शर्म भी नहीं आई। इसलिए इसके राजनीतिक मायने को हम यहां विस्तार पूर्वक समझा रहे हैं।

पहले प्रधानमंत्री ने क्या कहा, उसे बताते हैं। लाल किले से पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष (1925-2025) का जिक्र किया और संघ के अवदानों की खुलकर तारीफ की। चूंकि पीएम मोदी का लाल किले से यह 12वीं बार भाषण था, लेकिन इससे पहले कभी भी उन्होंने इस प्रमुख अवसर पर संघ की तारीफ इस तरह से नहीं की थी। जबकि पीएम ने खुलेआम कहा कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन ही इसकी पहचान रहे हैं।

पीएम ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की देश सेवा की यात्रा को लेकर इसे दुनिया के सबसे बड़े एनजीओ की तरह बताया और मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 100 साल पहले

एक संगठन का जन्म हुआ, जिसका नाम है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। यह 100 साल की राष्ट्र की सेवा का एक बहुत ही गौरवपूर्ण स्वर्णिम पृष्ठ है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर स्वयंसेवकों ने मां भारती के कल्याण के लिए जो निज जीवन समर्पित किया है, अतुलनीय कार्य किया है, उसी से मौजूदा भारत का सामर्थ्य दुनिया देख रही है।

यह बात दीगर है कि जहां लोकसभा चुनाव 2024 और उसके नतीजों के बाद बीजेपी और संघ में दूरी दिखी, वहीं पिछले काफी वक्त से पीएम संघ को लेकर अलग-अलग मौकों पर बोले भी और इ?की जमकर सराहना की। इसी साल 30 मार्च को पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी पहली बार संघ हेडक्वॉर्टर नागपुर, महाराष्ट्र भी गए। वहां पर उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापकों को श्रद्धांजलि दी। उससे पहले के कुछ महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग इंटरव्यू में संघ के काम काज की भरपूर तारीफ भी की, ताकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के बचकाना बयानों से जो दूरियां पैदा हुई और जनमानस में गलत संदेश गया उसकी भरपाई हो सके।

वहीं, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लाल किले के प्राचीर से आरएसएस का नाम लेने को संवैधानिक भावना का उल्लंघन बताया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने दावा किया है कि 4 जून 2024 के बाद से पीएम मोदी निर्णायक रूप से कमजोर पड़ गए हैं और 75 साल की उम्र 18 सितंबर 2025 को बीतने के बाद अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की कृपा पर निर्भर है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले से आरएसएस का नाम लेना एक संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन है। उन्होंने इसे उनके 75वें जन्मदिन से पहले संघ को खुश करने की हताश कोशिश बताया है।

हालांकि, कांग्रेस की इस छिछली राजनीतिक टिप्पणी पर सियासी गलियारों में यही चर्चा है कि गु? खाएं लेकिन गुलगुले से परहेज। यानी कि 2014 से ही आरएसएस के पूर्व प्रचारक भाजपा में आकर उसके मार्गदर्शन से देश चला रहे हैं, नीतियां बदल रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने नाम ले लिया तो संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की भावना का उल्लंघन होगा। सुलगता सवाल है कि क्या ऐसा उल्लंघन तब नहीं हुआ जब 10 जनपथ में बैठकर विदेशी रणनीतिकार डॉ मनमोहन सिंह की नकेल अपने हाथ में रखे हुए थे और उलजुलूल बयान तक दिलवा देते थे? उन्हें खुद आत्मचिंतन करना चाहिए।

रही बात समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तो उन्होंने शुक्रवार को अप्रत्यक्ष रूप से आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे, ताकि %भारत% को धार्मिक आधार पर विभाजित किया जा सके। लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने आरएसएस का नाम लिए बिना कहा, ये संघी साथियों का समूह...मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि बीजेपी के गठन के बाद पार्टी प्रमुख बने व्यक्ति ने पहले अधिवेशन में यह निर्णय लिया गया था कि पार्टी की राजनीतिक विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष होगी।

फिर अखिलेश यादव बोले, 100 साल पूरे होने पर उन्हें अंग्रेजों को धन्यवाद देना चाहिए। क्योंकि हमने सुना है और इतिहासकारों ने लिखा है कि कुछ संगठन अंग्रेजों ने बनाए थे ताकि भारत को धार्मिक आधार पर बांट सके, हिंदुओं और मुसलमानों के बीच खाई पैदा की जा सके। इसलिए संघी साथियों, जिनकी पहली विचारधारा समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष है, उन्हें इसे याद रखना चाहिए। हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि अखिलेश यादव अंग्रेजों को याद करते समय सेफ्टी वॉल्व के रुप में एक ब्रिटिशर्स द्वारा स्थापित पार्टी कांग्रेस को स्मरण करना भूल गए, जिसकी सियासी बैशाखी पाकर मृतप्राय हो चली समाजवादी पार्टी को उन्होंने जिंदा किया।

चाहे कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, उन्हें आरएसएस की आलोचना से पहले खुद के गिरेबां में झाँककर देख लेना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आरएसएस का गठन उसी व्यक्ति ने किया, जिसने कभी कांग्रेस सेवा दल को अपनी सेवाएं दी थी। यानी कि उससे अलग होकर उन्होंने तब ही जता दिया था कि कांग्रेस का भविष्य अंधकारमय है, लेकिन उसके साथ ही भारत का भविष्य भी वैसा ही न हो जाए, इसलिए उन्होंने आरएसएस का गठन किया। आज जब वह और उसका मुखौटा राजनीतिक संगठन भाजपा शीर्ष पर है, तो कांग्रेस कहाँ है? क्यों है? आत्ममंथन का विषय है।

रही बात समाजवादी पार्टी की तो उसे पता होना चाहिए कि कांग्रेस को पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता से बेदखल करने वाली जनता पार्टी के डीएनए में समाजवादी व राष्ट्रवादी एक साथ थे। 1989 में भी उन्होंने एक साथ रहकर कांग्रेस को पुनः अपदस्थ किया। लेकिन फर्जी धर्मनिरपेक्षता और घोर जातिवाद-परिवारवाद का सियासी भूत जब उनलोगों पर सवार हो गया, तब आरएसएस के निर्देश पर ही भाजपा उनसे अलग हुई और मौजूदा बुलंदियां हासिल की।

मेरा कांग्रेस और सपा को विनम्र सुझाव है कि आरएसएस को समझने के लिए उसकी प्रात:कालीन शाखाओं में जाएं और वहां पर चल रही व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्रनिर्माण की नि:स्वार्थ कोशिशों को समझें। फिर खुद से पूछें कि क्या कांग्रेस-सपा ऐसी जनमुहिम नहीं पैदा कर सकती? यदि हां, तो फिर सकारात्मक पहल अविलंब शुरू करें। राजद प्रमुख व बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव द्वारा गठित डीएसएस का हश्र सामने है।

फिर भी आपलोगों को अपना व्यक्तिगत अनुभव हासिल कर लेना चाहिए। तभी आपकी समझ में आएगा कि जनसहयोग से आरएसएस ने वह कर दिखाया है, जो सत्ता के तमाम नंगा नाचों से कांग्रेस-क्षेत्रीय दल हासिल नहीं कर पाए। यही आरएसएस-भाजपा की ताकत है। उसके मुकाबिल खड़े होने के लिए अब वहीं से शुरुआत करनी होगी, अन्यथा राजनीतिक बियावान में भटकते रहिए।

स्पष्ट है कि यदि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष का जिक्र कर पहली बार लाल किले से इस संगठन की जो तारीफ की है, वह बहुत कम है। क्योंकि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है जो देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा। ऐसा इसलिए कि संघ का इतिहास समर्पण का इतिहास है। सेवा, समर्पण, संगठन और अनुशासन इसकी अमिट पहचान रहे हैं।

कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

मोदी का मिशन सुदर्शन चक्र राष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल देगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बार स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'मिशन सुदर्शन चक्र' की घोषणा की जोकि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रणनीति में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। पाकिस्तान के साथ हालिया सीमा-पार सैन्य झड़पों के महज़ तीन महीने बाद आया यह ऐलान दर्शाता है कि भारत अपनी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर न केवल गंभीर है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए दीर्घकालिक तैयारी भी कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि 2035 तक देश के सभी महत्त्वपूर्ण स्थल—रणनीतिक क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे स्टेशन और धार्मिक स्थल, इस सुरक्षा कवच के दायरे में लाए जाएँगे। यह कवच पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित होगा और समय के साथ इसे मजबूत, विस्तारित और आधुनिक किया जाएगा। हम आपको बता दें कि मिशन सुदर्शन चक्र को इजराइल के 'आयरन डोम' और अमेरिका के प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' जैसी मिसाइल रक्षा प्रणाली के समकक्ष माना जा रहा है। फर्क यह है कि इजराइल एक छोटा देश है जबकि भारत को बहुत बड़े क्षेत्र को सुरक्षा कवच में लेना होगा। इसके लिए बहु-स्तरीय एयर और मिसाइल डिफेंस नेटवर्क, अर्ली वॉर्निंग और ट्रैकिंग सेंसर, भूमि और समुद्र आधारित इंटरसेप्टर मिसाइलें और अंतरिक्ष संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया जायेगा।

हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री ने

अपने संबोधन में स्पष्ट किया था कि यह प्रणाली केवल शत्रु के हमलों को विफल नहीं करेगी बल्कि कई गुना ज़्यादा ताक़त से जवाबी कार्रवाई भी करेगी। इससे संकेत मिलता है कि भारत अपने पारंपरिक (गैर-परमाणु) शस्त्रागार में और विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत 500 किमी रेंज की 'प्रलय' क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल, 1000 किमी रेंज की लैंड अटैक क्रूज़ मिसाइल और ब्रह्मोस की मारक क्षमता 450 किमी से बढ़ाकर 800 किमी करने जैसे ठोस कदम उठाये जा रहे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की मल्टी-लेयर्ड एयर डिफेंस प्रणाली ने तुर्की ड्रोन और चीनी मिसाइलों को विफल किया था। भारतीय वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के अनुसार, रूसी मूल की स्-400 प्रणाली ने पाकिस्तान के पाँच लड़ाकू विमान और एक विशेष मिशन विमान (300 किमी दूरी से) मार गिराया था। ये उपलब्धियाँ मिशन सुदर्शन चक्र की दिशा में आत्मविश्वास बढ़ाने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि इस मिशन को डीआरडीओ के महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'कुशा' से भी जोड़ा जा रहा है। यह प्रणाली 150, 250 और 350 किमी रेंज तक दुश्मन के लक्ष्यों को भेद सकेगी। इसका पहला चरण 2028-29 तक तैयार होने की उम्मीद है। साथ ही, स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (ब्ल्ब्ड) प्रणाली भी तैनाती के लिए तैयार की जा सकती है जो 2000 किमी तक की दुश्मन मिसाइलों को धरती के अंदर (एंडो) और बाहर (एक्सो) दोनों परतों में नष्ट करने की क्षमता रखती है। हम आपको याद दिला दें कि पिछले वर्ष भारत ने 5000 किमी रेंज वाली परमाणु-सक्षम दुश्मन मिसाइल को भी इंटरसेप्ट कर सफल परीक्षण किया था।

देखा जाये तो यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर भारत की परियोजनाओं को नष्ट करने और परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे थे। दूसरी ओर, चीन लगातार अपनी मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। ऐसे माहौल में मिशन सुदर्शन चक्र केवल भारत के लिए सुरक्षा कवच ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संदेश भी है कि भारत अब अपनी सीमाओं और नागरिक ढाँचों की सुरक्षा के लिए पूर्णतः आत्मनिर्भर और आक्रामक रक्षा नीति की ओर बढ़ रहा है।

बहरहाल, 'मिशन सुदर्शन चक्र' भारत की रक्षा रणनीति में एक निर्णायक कदम है। यह न केवल जनता में सुरक्षा का भरोसा जगाता है, बल्कि दुनिया को यह संकेत भी देता है कि भारत भविष्य के युद्ध परिदृश्यों के लिए तैयार है। जिस प्रकार महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का सुदर्शन चक्र शत्रु के लिए अजेय था, उसी प्रकार यह मिशन आने वाले समय में भारत की सुरक्षा का अटूट प्रतीक बन सकता है।

-नीरज कुमार दुबे

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम- संतान का साथ होगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय के नए स्रोत बनेंगे, पुराने सोर्स से भी पैसे आएंगे। यात्रा का अत्यंत लाभकारी योग बनेगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। सधी हुई जुबान का प्रयोग करें। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। अपनों का साथ होगा। पराक्रम रंग लाएगा। स्वास्थ्य अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
ओजस्वी, तेजस्वी बने रहेंगे। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। शुभता के प्रतीक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी होगी। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। नतमस्तक हो जाएंगे। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
बच्चे आज्ञा का पालन करेंगे। प्रेम में नयापन रहेगा। कोई निर्णय ले पाएंगे। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का उत्तम योग बन रहा है। घर में कोई उत्सव संभव है।

समाजवादी पार्टी की लोकतंत्र बचाओ साइकिल यात्रा को महामाया फ्लाईओवर पर रोका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ज़ेवर विधानसभा के युवा नेता डॉक्टर विकास प्रधान के नेतृत्व मे सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ ग्रेटर नोएडा से लोकतंत्र बचाओ साइकिल यात्रा शुरू की है जिसको नोएडा के महामाया फ्लाईओवर को पुलिस ने भारी पुलिस बल के साथ रोक लिया पुलिस के साथ हल्की नोक झोंक हुई इस संबंध में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं यात्रा के संयोजक डॉक्टर विकास प्रधान ने कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है भाजपा लोकतंत्र को ख़त्म करना चाहती है यात्रा से घबराकर आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी को भी घर पर हाउस अरेस्ट किया गया जो यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार डरी हुई है महामाया फ्लाईओवर से पुलिस सैकड़ो कार्यकर्ताओं को गिरफ़्तार कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है लेकिन समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता इस तानाशाही से डरने वाले नहीं हैं इस मौके पर नासिर प्रधान, लौकेश भाटी ,विपिन कसाना, प्रदीप भाटी , मोहित नागर , अनिल कसाना ,भारत नागर ,उमेश राणा गोलू तवर , नितिन अवाना , निक्की भाटी , नरेंद्र भाटी हरेन्द्र नागर , सहित आदि लोग मौजूद रहे!

दनकौर की सफाई व्यवस्था से किसान एकता संघ नाराज

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता संघ ने दनकौर कस्बे की साफ-सफाई एवं जल निकासी की बदतर व्यवस्था से नाराज होकर एक ज्ञापन नगर पंचायत में पहुंचकर वहां तैनात अधिकारी को सौंपा।

किसान एकता संघ ने आरोप लगाया है कि दनकौर में जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण बरसात का सारा पानी कस्बे में ही जमा रहता है जिससे संक्रामक बीमारी के फैलने की आशंका प्रबल हो जाती है। वहीं साफ सफाई की भी व्यवस्था न होने के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी नगर पंचायत के लोग इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। किसान एकता संघ ने नगर पंचायत को एक सप्ताह का समय दिया है और कहा है कि यदि एक सप्ताह के अंदर इन सभी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसान एकता संघ आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन प्रधान ने कहा कि इस मसले को तत्काल नगर पंचायत को हल करना होगा।

इस अवसर पर मनोज नगर शंकर निसार अहमद राजू नगर आज लोग मौजूद रहे।

भाकियू (बलराज) ने सौंपा डीएम को ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओ ने कल

पुलिस की कार्य शैली से क्षुब्ध होकर जिलाधिकारी और पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल को ज्ञापन सौंपा।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव राष्ट्रीय संयोजक रेखा सिवाल ने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता इमामुददीन ने रूट्स कुलिंग सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड प्लाट न0 बी 53 होजरी काम्प्लेक्स नोएडा मै प्लान्ट को ठंडा करने के लिए कुलिंग मशीन बनाकर कम्पनी को देते रहे कम्पनी मालिक राजीव सक्सैना कुछ पेमेंट करता रहा कुछ पेमेंट रोकता रहा इस तरह इमामुददीन की रकम कम्पनी पर लगभग 35 लाख रूक गयी जिससे गरीब मजदूर इमामुददीन कर्ज मै डूब गया कम्पनी मालिक राजीव सक्सैना से इमामुददीन अपनी मेहनत के रुपयों के भुगतान के लिए कहा तो उसे कम्पनी मै अन्दर जाने से रोक लगा दी गयी राजीव सक्सैना ने ऐसे बहुत लोगों से कार्य कराकर उनकी रकम के भुगतान नही किये भारतीय किसान यूनियन (बलराज) ने ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अनेकों बार अवगत कराया गया कि राजीव सक्सैना एक बहुत ही घोटालेबाज व्यक्ति है जो गरीब लोगों से कम्पनी मै काम कराकर उनकी रकम हडप कर लेता है लेकिन उसके खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने कोई कार्रवाई नही की बल्कि उसका सहयोग किया है।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटा, यूथ प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा विपिन खारी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष,उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल भाटी ,उत्तर प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी ,उत्तर प्रदेश महासचिव अमरीश , उत्तर प्रदेश सचिव सोनू खारी, महासचिव प्रवीण चौहान जिला अध्यक्ष योगेश वैष्णव गौतम बुध नगर जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रवीण कौशिक गौतम बुद्ध नगर जिला संगठन मंत्री ब्रह्मचंद्र बैरागी जिला जिला संगठन मंत्री जिला महासचिव शाहनवाज इमामुद्दीन ग्राम अध्यक्ष, अजहर खान जिला उपाध्यक्ष अन्य सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे(

विकास कार्यों में लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। स्मार्ट विलेज बल्लू खेड़ा में विकास कार्यों में लापरवाही से

ग्रामीणों में आक्रोश है। गाँव बल्लू खेड़ा को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने की घोषणा के बावजूद, यहाँ विकास कार्यों की स्थिति दयनीय बनी हुई है।

ग्रामीणों और एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य हरेंद्र भाटी ने ठेकेदारों द्वारा कार्य में लापरवाही और निम्न गुणवत्ता वाले मटेरियल के उपयोग की शिकायत की है, जिससे स्मार्ट विलेज की अवधारणा को गहरा धक्का लगा है। यमुना प्राधिकरण ने स्मार्ट विलेज योजना के तहत बल्लू खेड़ा सहित क्षेत्र के कई गाँवों में पेयजल, सीवर, सड़क, नाली, डिजिटल लाइब्रेरी और सामुदायिक केंद्र जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने का वादा किया था। हालाँकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदारों द्वारा कार्य में भारी अनियमितताएँ बरती जा रही हैं। निर्माण में उपयोग किए जा रहे मटेरियल की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है, जिसके कारण सड़कें, नालियाँ और अन्य बुनियादी ढाँचे जल्दी ही खराब हो रहे हैं।

एक्टिव सिटीजन टीम के सदस्य हरेंद्र भाटी ने यमुना विकास प्राधिकरण से मांग की है कि स्मार्ट विलेज योजना के तहत घोषित सभी गाँवों में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के लिए तत्काल एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने कहा, फ्यमुना प्राधिकरण के दावों और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। स्मार्ट विलेज के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई हो रही है। उच्चाधिकारियों को गाँवों का दौरा कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेना चाहिए। ग्रामीणों ने भी इस मुद्दे पर रोष जताया है और मांग की है कि ठेकेदारों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्तापूर्ण कार्यों के लिए कड़े कदम उठाए जाएँ। इस संबंध में यमुना प्राधिकरण से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है ताकि स्मार्ट विलेज योजना का उद्देश्य सार्थक हो सके।

सीटू के बैनर तले कर्मचारियों ने दिया धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- श्री विनायक ग्रुप बिल्डर के सह संस्थान मैसर्स- विनायक एक्सपो प्लाजा लिमिटेड पर सीटू कार्यकर्ताओं ने कल धरना प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन पुलिस अधिकारियों के द्वारा हस्तक्षेप किए जाने और शुक्रवार 22 अगस्त 2025 को प्रात: 11ः00 बजे दोनों पक्षों में बातचीत कराकर समस्या का समाधान कराए जाने के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। यूनियन के नेताओं ने विनायक ग्रुप के प्रबंधकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बातचीत में समस्या का समाधान नहीं निकाला तो वे विनायक ग्रुप के कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर देंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विनायक ग्रुप के प्रबंधकों की होगी।

भाकियू (बलराज) का धरना 21 से

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 21 अगस्त को भारतीय

किसान यूनियन (बलराज) के कार्यकर्ताओं ने थाना फेस-2 पर धरना शुरू करने का ऐलान किया है।

यह ऐलान भाकियू (बलराज) की महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल ने की है। उन्होंने कहा है कि पुलिस की मनमानी से हम सभी नाराज हैं और कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर यूनियन धरना देने के लिए विवश है।

बताते चलें कि फेस टू स्थित एक कंपनी में कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और एक व्यक्ति का लाखों रुपए बकाया होने के बाद भी कंपनी मालिक उसका पैसा वापस नहीं कर रहा है। भाकियू बलराज के प्रदेश अध्यक्ष हातिम सिंह भाटी एवं गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष योगेश वैष्णव के देखरेख में यह धरना शुरू होगा।

कविता

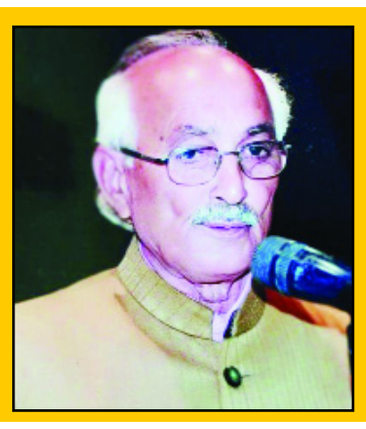

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

गिद्ध बन कर सिद्ध
बिनौले खा रहे हैं
जनम के गदहे
पंजीरी उड़ा रहे हैं
आज कल बस टीवी-
पत्रकार, नेता, अभिनेता!
दल-बदलू पूजा पा रहे हैं
बाकी तो केवल मिमिआ
रहे हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

विपक्षी दलों ने किया...

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष की तरफ से लगातार हंगामा किए जाने के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित की।

राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद विपक्ष की तरफ से हंगामा किए जाने के कारण उपसभापति हरिवंश ने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी।

तेलंगाना कांग्रेस सांसदों ने तेलंगाना में यूरिया की कमी को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

जस्टिस सुदर्शन रेड्डी होंगे...

कि उन्होंने कैसे गरीबों का पक्ष लिया और संविधान व मौलिक अधिकारों की रक्षा की।

जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी (बीए, एलएलबी) का जन्म 8 जुलाई, 1946 को हुआ था। 27 दिसंबर, 1971 को वे हैदराबाद में आंध्र प्रदेश बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए। उन्होंने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में रिट और सिविल मामलों में अभ्यास किया। उन्होंने 1988-90 के दौरान हाईकोर्ट में सरकारी वकील के रूप में काम किया। उन्होंने 1990 के दौरान छह महीने की अवधि के लिए केंद्र सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में भी काम किया। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय के लिए कानूनी सलाहकार और स्थायी वकील के रूप में काम किया। उन्हें 2 मई, 1995 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्हें 2005 में गौहाटी हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। 2007 में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए। वे 2011 में सेवानिवृत्त हुए।

मुठभेड़ में दो वाहन....

सेंट्रो, बोलेरो व वाहनों के पार्ट्स बरामद हुए हैं।

नोएडा जोन के एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि बीती रात्रि थाना सेक्टर-49 पुलिस टीम सेक्टर-50 के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस को चैकिंग करता देखकर सेंट्रो कार में आ रहे दो युवक कार छोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने दोनों युवकों का पीछा किया तो उन्होंने पुलिस पर फायर कर दिया जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायलों पर गिर गया जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया घायल बदमाश की पहचान जोगेंद्र तोमर पुत्र चंद्रपाल तोमर निवासी ग्राम हामिदपुर थाना टप्पल जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई। इसके पास से बिना नंबर की सेंट्रो कार तमंचा कारतूस बरामद हुए एडीसीपी ने बताया कि पुलिस ने कांबिंग के दौरान जोगेंद्र तोमर के दूसरे साथी दानिश पुत्र अबरार निवासी गोविंद नगर अलीगढ़ को भी दबोच लिया। दोनों बदमाशों की निशानदेही पर चोरी की एक बोलेरो पिकअप व अन्य गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स भी बरामद हुए एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए दोनों बदमाश शातिर वाहन चोर हैं और चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं जोगिंदर पर 10 तथा दानिश पर छह मुकदमे पंजीकृत हैं पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।

पता नहीं बताया ....

इस पर फैजल भड़क उठा और अभद्र व्यवहार करने लगा। चंद्र प्रकाश ने जब उसे दुर्व्यवहार करने से मना किया तो फैजल ने पास की दुकान से ही सोडे पानी की बोतल उठाकर चंद्र प्रकाश के सिर में मार दी। सर में सौडे की बोतल लगने से चंद्रप्रकाश घायल हो गए। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सिमरन गुप्ता के मुताबिक दिल्ली के अस्पताल में उसके पिता का उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

गाड़ी हटाने के विवाद ....

अमित को दादरी के नवीन अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि सुशील कुमार के शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला डाक्टर के साथ मारपीट...

और जान से मारने की धमकी दी। उसके बाद वह वहां से चली आई। अगले दिन उन्होंने जिम्स अस्पताल में अपनी जांच कराई तो पता चला कि मारपीट की वजह से उसके कान का पर्दा फट गया है।

थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

नूंह में भाकियू की न्याय महापंचायत आयोजित

हरियाणा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर हरियाणा नूह मंडी किसान न्याय महापंचायत भारतीय किसान यूनियन के गौतम बुद्ध नगर जिला अध्यक्ष अशोक भाटी सहित सुभाष चौधरी गजेंद्र चौधरी परविंदर अवाना मनोज मावी रविंद्र भगतजी सुंदर बाबा प्रमोद टाइगर संदीप अवाना सचिन अवाना नवल प्रधान विनोद प्रधान संचित चौहान रविंद्र भाटी विपिन तंवर सहित अनेको लोगो ने भाग लिया।

आईएमटी द्वारा भूमि अधिग्रहण मुद्दे के भेदभाव को लेकर मुआवजा वृद्धि युवाओं के रोजगार अन्य संबंधित मांगों को लेकर महापंचायत का आयोजन हुआ। सर्वसम्मति से पंचायत में निर्णय के अनुसार नुह अनाज मंडी जिला सचिवालय नूहू के लिए मांग पत्र के साथ पदयात्रा की गई। संबंधित समस्याओं का मांग पत्र ज्ञापन एसडीएम को सौंपते हुए पंचायत में स्पष्ट कहा समय रहते हमारे मांगो पर विचार नहीं हुआ तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है। इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा भूमि अधिग्रहण में किसानों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। हरियाणा सरकार द्वारा यह भेदभाव भाकियू बर्दाश्त नहीं करेगी।

भूखंड का झांसा देकर 2.10 करोड़ की ठगी

नोएडा (चेतना मंच)। गांव सुनपुरा में भू-माफियाओं ने श्रीराम एंक्लेव परियोजना में 14 निवेशकों को आवासीय भूखंड बेचने का झांसा देकर 2.10 करोड़ रुपये ठग लिए।

थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता प्रेमचंद सिंह, अजय कुमार यादव, अभिकांत कुमार, अंबेडकर कुमार, अर्पित अरोरा, सनी शुक्ला, आशीष शुक्ला, अंकित शुक्ला, दीपक वर्मा, मृत्युंजय कुमार, प्रभा शंकर पटेल, सुलेखा देवी, अमृता कुमारी, रणजीत कुमार, संतोष कुमार सिंह देव और तनुजा देवी का आरोप है कि भू-माफिया श्यामा चरण मिश्रा और सरिता मिश्रा ने अपने 12 अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर षड्यंत्र के तहत मेसर्स एमएए बैलून एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक एक कंपनी बनाई। आरोपियों ने खुद को सुनपुरा स्थित श्री राम एंक्लेव परियोजना के मालिक के रूप में पेश किया। पीड़ितों को बताया गया कि यह एक पूरी तरह से विकसित और सरकार द्वारा अनुमोदित आवासीय परियोजना है। पीड़ितों को लुभाने के लिए झूठे और मनगढ़ंत दस्तावेज तैयार किए, जिसमें भूमि उपयोग परिवर्तन के जाली प्रमाण पत्र भी शामिल थे। विश्वास दिलाया कि कृषि भूमि को आवासीय भूखंडों में बदल दिया गया है। उन्हें परियोजना में प्लॉट खरीदने के लिए प्रेरित किया।

बैंक खातों को आधार से लिंक कराएं दिव्यांग पेंशन के पात्र

नोएडा (चेतना मंच)। शासन के निर्देशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी गौतमबुद्धनगर आशीष कुमार सिंह ने जनपद के समस्त दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन के लाभार्थियों को बताया कि दिव्यांग एवं कुष्ठावस्था पेंशन की आगामी किस्त का भुगतान आधार बेस्ड पेमेन्ट प्रणाली के माध्यम से आधार लिंक बैंक खाते में होना है।

अत: सभी दिव्यांगजन अपने बैंक से सम्पर्क कर अपने पेंशन सम्बन्धी बैंक खाते को आधार से NPCI Model में जल्द से जल्द लिंक कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनकी आगामी पेंशन धनराशि खाते में अन्तरित होने में समस्या हो सकती है। इस संबंध में किसी भी जानकारी हेतु दिव्यांगजन मोबाइल नंबर 7985198352 एवं 9654092170 पर संपर्क स्थापित कर संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कार सवार युवकों ने कैंटर चालक को पीटा

दादरी (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के समाधिपुर गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल पर सेंट्रो कार सवार युवकों ने टाटा कैंटर चालक के साथ मारपीट की। चालक को घायल करने के बाद युवक उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

ग्राम इमलियाका निवासी फतेह नागर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका ड्राइवर नदीम पुत्र जावर दिन टाटा कैंटर में सामान लेकर कासना से डासना की तरफ जा रहा था। नदीम ईस्टर्न पेरिफेरल पर समाधीपुर गांव के पास पहुंचा तो सेंट्रो कार में सवार चार युवकों ने कैंटर को रुकवा लिया। युवकों ने ड्राइवर के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। ड्राइवर ने जब इस बात का विरोध किया तो युवकों ने लाठी डंडों से उसके साथ मारपीट की और उसे घायल कर दिया। ड्राइवर नदीम को गंभीर रूप से घायल करने के बाद युवक जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए ड्राइवर से सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए नवीन अस्पताल में भर्ती कराया।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

भक्ति से मनुष्य के अंदर सभी गुणों का वास हो जाता है

सत्संग प्रवचन में बोले संत डॉ. संतोष देव महाराज

स्मार्ट विदर्भ

अमरावती. सिंधु नगर स्थित पूज्य शिवधारा आश्रम में चल रहे श्री शिवधारा झूलेलाल चालिहा के 34वें दिन के अपने सत्संग प्रवचन में संत डॉ. संतोष देव महाराज ने अपनी मधुर वाणी में फरमाया, के भक्ति करने वालों में देखा जाता है,वह दुनियादारी के लिए तृप्त व संतुष्ट होते जाते हैं और आध्यात्मिकता में उनको ऐसे लगता है कि मैं ने अभी तक कुछ किया ही नहीं, जबकि जो केवल माया को महत्व देते हैं और आध्यात्मिकता में शून्य है, उनके जीवन में देखा जाता है कि वह आध्यात्मिकता के लिए संतुष्ट होते हैं, कि हमने अभी तक बहुत कुछ किया है, भगवान हम पर राजी जरूर होंगे और होना भी चाहिए एवं दुनियादारी के लिए वह कभी भी संतुष्ट नहीं होते, समझते हैं कि मेरे पास है ही क्या, अभी तो बहुत कुछ करना बाकी है। यह अंतर है भक्ति करने वालों में और भगवान से दूर रहने वालों में मुख्य रूप से।। साथ-साथ में यह भी देखा जाता है, कि जिनकी जैसे भक्ति साधना बढ़ती जाती है, वह सभी गुणों के भंडार होते जाते हैं, जैसे अपने जीवन से संतुष्ट होना, जीवनसाथी से संतुष्ट होना, अपने क्षेत्र से खुश होना, परिस्थितियों से तालमेल बिठाना, हर समय प्रसन्न रहना, दुखों का कारण खुद को समझना,दूसरों की शिकायत न करना और दूसरों को अपने दुखों का कारण न समझना, सदैव प्रयास करते रहना कि मैं खुद को संवारूं, अच्छा बनाऊं, धर्म कर्म वाला उनका जीवन बंता जाता है, व्यवहार उनका शुद्ध अच्छा ऊंचा होता जाता है, सभी का एहसास करते रहते हैं, उनकी सहन शक्ति बढ़ती जाती है, धीरे-धीरे फिर कण-कण में प्रभु का आभास होने लगता है, समर्पण प्रभु के लिए उनका बढ़ता जाता है, जो भी कार्य करेंगे दूसरों का हित सोचकर और भगवान किस में राजी होते हैं, यह सोचकर करते जाते हैं, परिणाम रूप में उनका संसार में यश बढ़ता जाता है आदि। उदाहरण पहला एक बार संत एकनाथ जी महाराज नदी पर स्नान करने हेतु गए, वहां देखा के एक बिच्छू डूब रहा है,उसको अपने हाथ से निकला, बिच्छू ने डंक मारा, संतों ने छोड़ दिया, फिर बिच्छू डूब रहा था उसको हाथ से निकाला, ऐसे सात बार किया, अंततः बिच्छू को बाहर किनारे पर रख दिया, पूछने पर संत एकनाथ जी महाराज ने बताया कि मैं इसका स्वभाव देख रहा था, कि यह डूब रहा है फिर भी डंक मारने का स्वभाव डूबने के बाद भी छोड़ेगा या नहीं, मैंने देखा इसने डंक मारना नहीं छोड़ा, तो मैं फिर इसको बचाना क्यों छोड़ो। उदाहरण दूसरा संत रामतीर्थ जी महाराज गांव गांव धर्म एवं भक्ति के प्रचार हेतु जाते थे, जब कोई उनसे भोजन पूछ कर खिलाता था, तो भगवान को धन्यवाद कहते हुए कहते थे, कि आपका आज लाख एहसान है कि आपने मुझे भोजन खिलाया है, दूसरे दिन जब दूसरे किसी गांव में जाते थे और कोई खाने को न पूछता था,तो भगवान को कहते थे कल आपके लाख एहसान थे आपने मुझे भोजन खिलाया, आज आपकी करोड एहसान है कि मुझे उपवास रखने का अवसर प्रदान किया है। उदाहरण तीसरा समर्थ गुरु रामदास जी महाराज एक घर के दरवाजे पर गए, मैया भगवान के नाम पर कुछ दे दो, अंदर से उस माता ने आवाज दी के महाराज जी कल आएगा और वह माता उस समय घर का झाड़ू लगा रही थी। तो संतों ने कहा ज्यादा कुछ नहीं दे सकती, भले इकट्ठा किया हुआ किचरा भी दे दो तो चलेगा, तो माता के पूछने पर संतों ने कहा कि यह किचरा आपसे लेकर बाहर जाकर में फेंक दूंगा, परंतु मेरी इच्छा है, आपको देने की आदत बनें,आज किचरा देंगे, कल किसी को रोटी देंगी,परसों और वस्तुएं देगीं। जो देता रहता है वह आगे बढ़ता रहता है, हम साधु संतों की यह इच्छा रहती है, कि पूरा संसार सुखी रहे, आप सदैव सुखी जीवन गुजारें। 1008 सद्गुरु स्वामी शिवभजन जी महाराज कहा करते थे, जहां संसार की सोच पूरी होती है, संतों की तो यात्रा ही वहीं से शुरू होती है। इसलिए संतो को जल्दी समझ पाना संसार के लिए जैसे असंभव सा है। संत जब लीला समाप्त करके चले जाते हैं, तब जाकर धीरे-धीरे संसार उनको समझाना शुरू करता है।इसलिए जो साधु संत हमारे नजदीक रहते हैं,उनकी ऊंची सोच और उच्च कर्मों को देखकर के उनकी कदर करना एवं उनसे आशीर्वाद प्राप्त करना ही सच्चे ज्ञानियों के लक्षण हैं।

पुतिन के दिमाग के आगे फेल हुए ट्रंप और पश्चिमी देश! शांति समझौते के बाद भी यूक्रेन के हाथ रहेंगे खाली

वॉशिंगटन

अमेरिका के अलास्का में राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बैठक के बाद अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं, जिनमें यूक्रेन अगर शांति समझौता करता है तो भी उसे नुकसान होगा और अगर नहीं करता है तो अमेरिका जैसे अहम सहयोगी का साथ छूटने का डर है। जेलेंस्की भले ही शांति समझौते की संभावनाओं को लेकर खुश हैं, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं अब यूक्रेन के पास बहुत ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं और शांति समझौते के बाद भी यूक्रेन घाटे में ही रहेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की सोमवार को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे। कई यूरोपीय देशों के नेता भी बैठक के लिए अमेरिका पहुंच रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष सलाहकार स्टीव विटकॉफ ने दावा किया है कि ट्रंप और पुतिन की मुलाकात में यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देने पर सहमति बनी है। इसके तहत यूक्रेन को नाटो के अनुच्छेद 5 के तहत सुरक्षा गारंटी मिलेगी। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सुरक्षा गारंटी मिलने पर खुशी जताई लेकिन यूक्रेन, नाटो का सदस्य होगा या नहीं, ये अभी तक स्पष्ट नहीं है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने नाटो का सदस्य बनने के लिए ही रूस से युद्ध लड़ा है और इतने साल की लड़ाई के बाद भी यूक्रेन का नाटो में शामिल होना तय नहीं है। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, 'यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अगर चाहें तो रूस के साथ युद्ध तुरंत समाप्त कर सकते हैं या फिर वे लड़ाई जारी रख सकते हैं। याद कीजिए कि यह कैसे शुरू हुआ था। ओबामा की ओर से दिया गया क्रीमिया वापस नहीं मिलेगा और यूक्रेन का नाटो में शामिल होना भी संभव नहीं है। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं!' इतना ही नहीं रूस ने भी सुरक्षा गारंटी देने की मांग कर दी है। रूस ने कहा है कि अगर यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी दी जा रही है तो रूस को भी पश्चिमी देश सुरक्षा गारंटी दें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो संकेत दिए ही हैं कि रूस के साथ शांति समझौते के लिए यूक्रेन को क्रीमिया से दावा छोड़ना पड़ेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी साफ तौर पर कह दिया है कि यूक्रेन को शांति समझौते के लिए हारे हुए इलाकों को छोड़ना पड़ेगा। हालांकि यूक्रेनी राष्ट्रपति साफ कर चुके हैं कि वे अपने किसी क्षेत्र से दावा नहीं छोड़ेंगे। लेकिन ट्रंप और अन्य यूरोपीय नेता यूक्रेन पर इसका दबाव बना सकते हैं।

रूस से तेल खरीदने के लिए चीन पर टैरिफ क्यों नहीं लगाया गया?

वॉशिंगटन

रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते दिनों भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था, जिसके बाद भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। वहीं चीन को छूट दी गई है। अब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इसकी वजह का खुलासा किया है। मार्को रूबियो ने बताया कि चीन, रूसी तेल को रिफाइन करके उसे यूरोपीय देशों को बेच रहा है। एक इंटरव्यू के दौरान मार्को रूबियो से पूछा गया कि ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने के लिए चीन को टैरिफ से छूट क्यों दी है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है? इस पर रूबियो ने चौंकाने वाला जवाब दिया। रूबियो ने कहा कि 'अगर आप देखें तो चीन जो कच्चा तेल रूस से खरीद रहा है, वो उसे रिफाइन करके वापस यूरोपीय देशों को बेच रहा है।' रूबियो ने कहा अगर हम चीन पर प्रतिबंध लगाते हैं तो इससे वैश्विक तेल कीमतों पर बुरा प्रभाव पड़ेगा और तेल की कीमतें पूरी दुनिया में बढ़ सकती हैं। रूबियो ने कहा कि चीन पर संभावित प्रतिबंध को लेकर यूरोपीय देशों ने भी निराशा जाहिर की है। मार्को रूबियो ने भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अमेरिका हर दिन भारत और पाकिस्तान के बीच हालात पर नजर रख रहा है, क्योंकि दोनों देशों के बीच हुआ संघर्षविराम कभी भी टूट सकता है। उन्होंने कहा कि युद्धविराम तभी संभव होता है जब दोनों पक्ष रुकने पर सहमत हों, लेकिन उसे बनाए रखना बेहद मुश्किल होता है। रूबियो ने कहा कि 'हम भारत-पाकिस्तान और कंबोडिया-थाईलैंड जैसे देशों के बीच हालात पर हर दिन नजर रखते हैं। साढ़े तीन साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध की तरह, युद्धविराम बहुत जल्दी टूट सकते हैं। लेकिन हमारा लक्ष्य सिर्फ अस्थायी शांति नहीं, बल्कि एक स्थायी शांति समझौता है ताकि भविष्य में भी युद्ध न हो।'

कौन भारत के साथ-कौन नहीं, ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ', रक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार

छत्रपति संभाजीनगर।

रक्षा मंत्रालय के पूर्व प्रधान सलाहकार और लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विनोद खंडारे ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि कूटनीतिक स्तर पर भारत के साथ कौन खड़ा है और कौन नहीं। उन्होंने कहा कि युद्ध की कीमत होती है और इससे देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ता है। उन्होंने जोर दिया कि नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) पर बहुत काम करने की जरूरत है, क्योंकि यह एक कमजोरी बनी रहेगी। लेफ्टिनेंट जनरल खंडारे रविवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए, ताकि जनता से ऑपरेशन सिंदूर पर संवाद किया जा सके। यह कार्यक्रम एक स्थानीय एनजीओ ने आयोजित किया था। इस साल 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला किया था। 26 लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। हत्या से पहले उनके धर्म की पहचान की गई थी। इसके जवाब में भारतीय ने सेना ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जब ऑपरेशन सिंदूर के परिणामों को लेकर सवाल किया गया, तो खंडारे ने कहा, यह स्पष्ट हो गया है कि भारत के साथ कूटनीतिक रूप से कौन है और कौन नहीं। देश के अंदर भी यह स्पष्ट हो गया कि समस्याएं और कमजोर कड़ियां कहां हैं। अगर आप व्यापक रूप से सोचें तो खामियां साफतौर पर सामने आई हैं। स्वार्थी हित भी अब सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा पर भी हमें बहुत काम करना होगा, क्योंकि कमजोर कड़ी बना रहेगा। उन्होंने आगे कहा, आज के दौर में मिसाइलों और उनकी पहुंच के कारण सब कुछ निशाने पर आ सकता है। हम जरूरी तकनीक और शोध में आगे हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक का सही इस्तेमाल तब होता है, जब उसे चलाने वाला व्यक्ति कुशल हो। उन्होंने कहा, प्रयोगशाला से लेकर युद्ध क्षेत्र तक एक पूरी श्रृंखला है। मुझे लगता है कि हमें समझ आ गया है कि हमें कहां खड़ा होना है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा को राज्य सरकारों को गंभीरता से लेना चाहिए।

राजनाथ सिंह वरिष्ठ नेता, बातचीत की जरूरत होगी तो करेंगे, सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर अखिलेश

नई दिल्ली

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए का उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति का पद खाली है। पहले जो उपराष्ट्रपति थे, वो अब कहां हैं? एक नया उपराष्ट्रपति चुना जाएगा। यह एक अच्छी बात है। हम क्या फैसला लेंगे, यह अलग बात है। हम बैठकर तय करेंगे। उन्होंने कहा, राजनाथ सिंह एक वरिष्ठ नेता हैं। वह उत्तर प्रदेश से हैं। वह रक्षा मंत्री हैं। अगर वह बात करेंगे, हम बात करेंगे और अगर बातचीत की जरूरत होगी, तो हम बात करेंगे। लेकिन हमारी राजनीतिक लाइन स्पष्ट है। अब इंडिया ब्लॉक को फैसला करना है। चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश यादव ने कहा, वह जानबूझकर पिछड़ी जातियों के वोट काटता है और मीडिया के जरिए यह दिखाया जाता है कि उन्हें पिछड़ों का समर्थन मिल रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि उनके वोट ही काटे जा रहे हैं। हमारी सिर्फ इतनी मांग है कि अगर किसी जिलाधिकारी (डीएम) को सस्पेंड कर दिया जाए, तो पूरे देश में एक भी वोट नहीं कटेगा। उन्होंने आगे कहा, 2017 के चुनाव में चुनाव आयोग ने कई अधिकारियों को हटाया था। लेकिन 2019, 2022 और 2024 में एक भी अधिकारी नहीं हटाया गया। समाजवादी पार्टी की सरकार में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और गृह सचिव तक बदले गए थे, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद यूपी में एक भी अफसर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। एक भी शिकायत पर कोई अधिकारी नहीं हटाया गया। क्यों? इसका मतलब है कि चुनाव आयोग भाजपा की ज्यादा सुनता है। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया, छिबरामऊ के एक भाजपा विधायक ने अपने बूथ पर 400 फर्जी वोट डलवाए थे। हमने उनमें से 200 से ज्यादा फर्जी वोट हटवाए। दिल्ली में सपा मुखिया ने कहा, मैं रिकॉर्ड पर कह रहा हूं कि जब ममता दीदी (बनर्जी) विधानसभा चुनाव हारी थीं, तब चुनाव आयोग सीधे थाना प्रभारी (एसओ) और पुलिस अधिकारियों से बात कर रहा था। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अनुराग ठाकुर ने भी कन्नौज को लेकर कुछ कहा था। लेकिन अगर ठाकुर पहले जोड़ दिया जाए, तो उसका मतलब ही बदल जाता है। हमारी बस इतनी सी मांग है कि बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) की नियुक्ति जाति के आधार पर न हो। पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति भी जाति के आधार पर न की जाए। उन्होंने दोहराया, मैं रिकॉर्ड पर कह रहा हूं कि जब ममता दीदी विधानसभा चुनाव हारी थीं

शशि थरूर ने की शुभांशु शुक्ला की जमकर तारीफ, किरेन रिजिजू ने की विपक्ष से खास अपील

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवाक को पुष्टि की कि विपक्ष ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के सम्मान में लोकसभा में चर्चा में शामिल नहीं होगा। हालांकि थरूर ने ग्रुप कैप्टन शुक्ला की जमकर सराहना की। थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, चूंकि विपक्ष इस विशेष चर्चा में हिस्सा नहीं ले रहा है। मैं कहना चाहता हूं कि कमांडर शुभांशु शुक्ला के आईएसएस के हालिया मिशन पर सभी भारतीयों को गर्व है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वकांक्षाओं के लिए शुक्ला का यह मिशन महत्वपूर्ण है और गगनयान मिशन के लिए एक सही कदम है। थरूर ने कहा, शुक्ला के इस मिशन से इसरो को ऐसी जानकारी और अनुभव मिले हैं, जो प्रयोगशालाओं में नहीं मिलते। लॉन्चिंग से पहले की प्रक्रियाओं, अंतरिक्षयान प्रणाली और शून्य गुरुत्वाकर्षण (माइक्रोग्रैविटी) में होने वाले मानसिक और शारीरिक प्रभावों पर उनके प्रत्यक्ष अनुभव गगनयान मिशन की तैयारियों को सुरक्षित सटीक बनाने में बेहद अहम हैं। उन्होंने आगे कहा कि आईएसएस पर शुक्ला के रहने से भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों को पहली बार अंतरिक्ष से असली माहौल में स्वदेशी प्रणाली और प्रक्रियाओं की जांच करने का अवसर मिला। थरूर ने कहा, अंतरिक्ष में मानव स्वास्थ्य और पौधों की वृद्धि से जुड़े कई वैज्ञानिक प्रयोग किए गए, जिनसे तकनीकी और वैज्ञानिक प्रमाण हासिल हुए हैं। इन निष्कर्षों का सीधा उपयोग उन्नत जीवन-रक्षा और चिकित्सा प्रणाली के विकास में होगा, जो गगनयान मिशने के लिए आवश्यक हैं। कांग्रेस सांसद ने मिशन के कूटनीतिक महत्व की भी सराहना की और कहा कि यह सफलता अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ साझेदारी में हासिल हुई है। उन्होंने कहा, शुक्ला की यह ऐतिहासिक यात्रा अंतरिक्ष कूटनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करता है और यह दिखाता है कि भारत बहुपक्षीय अंतरिक्ष प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम है। इससे भविष्य में साधा अनुसंधान और निवेश के रास्ते खुलते हैं। थरूर ने कहा, शुक्ला की उड़ान भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं का एक शक्तिशाली प्रतीक है। इस मिशन ने देश की कल्पनाशक्ति को छू लिया है और एक नई पीढ़ी को विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित और अंतरिक्ष के क्षेत्र में करियर चुनने के लिए प्रेरित किया है।

मेरठ टोल प्लाजा पर सेना के जवान को बर्बरता से पीटा, पुलिस ने छह को किया गिरफ्तार

मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में ड्यूटी पर जा रहे सेना के एक जवान पर टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कथित तौर पर हमला किया। इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना रविवार को सरूरपुर इलाके के भूनी टोल प्लाजा पर हुई, जब गोटका गांव का रहने वाला कपिल छुट्टी के बाद ड्यूटी पर लौट रहा था। टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतार में उसकी कार फंस गई थी। कपिल ने टोल प्लाजा कर्मचारियों से वाहनों को जल्दी हटाने का आग्रह किया, जिससे विवाद हो गया। अधिकारी ने बताया कि जब बहस बढ़ गई, तो टोल प्लाजा कर्मचारियों ने कपिल की पिटाई कर दी। पुलिस ने जवान के परिवार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। मेरठ-करनाल हाईवे पर भूनी टोल के कर्मचारियों ने रविवार रात गांव गोटका निवासी सेना के जवान कपिल पर हमला कर दिया। बचाव करने पर उसके चचेरे भाई शिवम को भी आरोपियों ने पीटा। इससे दोनों भाई घायल हो गए। ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया तो आरोपी भाग गए। घायल जवान के पिता कृष्णपाल की ओर से सरूरपुर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है। राजपूत बटालियन का जवान कांस्टेबल गोटका निवासी कपिल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान श्रीनगर में तैनात था। कांवड़ यात्रा के दौरान वह छुट्टी पर आया था। कपिल ने बताया कि सोमवार को उसे श्रीनगर में ड्यूटी पर अपनी बटालियन में आमद दर्ज करानी थी। उसकी सोमवार सुबह पांच बजे दिल्ली से फ्लाइट थी। रविवार रात 9 बजे उसका चचेरा भाई शिवम कार से उसे दिल्ली एयरपोर्ट छोड़ने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह भूनी टोल पर पहुंचे तो कार को टोल से निकलने के लिए कपिल ने कर्मचारियों को अपना आईडी कार्ड दिखाया और अवकाश पत्र भी दिखाया। यह भी बताया कि उनका गांव गोटका टोल पर छूट वाले गांवों की श्रेणी में है। आरोप है कि इसके बावजूद टोल कर्मचारियों ने उनका आईडी कार्ड व मोबाइल फोन छीन लिया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने हमला कर दिया। कपिल वर्दी में नहीं थे। आरोपियों ने मारपीट कर उसके कपड़े भी फाड़ दिए। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई है। दोनों भाइयों ने किसी तरह जान बचाई। सूचना पुलिस व ग्रामीणों को दी। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ व पुलिस को देखकर आरोपी भाग गए। जबकि सेना के जवान व उसके चचेरे भाई के साथ मारपीट की घटना टोल पर लगे सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई। ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा किया। एसओ अजय शुक्ला ने ग्रामीणों को समझाकर शांत किया।आरोपियों के दुस्साहस से ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

नकली कीटनाशक बेचने वालों की खैर नहीं, अफसरों को सौंपा टास्क

नई दिल्ली

नकली खाद-बीज और कीटनाशकों की बिक्री के मामले में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को कृषि मंत्री ने इसी संदर्भ में मंत्रालय में बैठक ली। इसमें कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मंत्री चौहान ने नकली खाद-बीज व कीटनाशक बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा, 'किसानों की फसलें खराब होने को सभी अधिकारी अत्यंत गंभीरता से अधिकारी लें, ताकि किसानों को नुकसान से बचाया जा सकें। उन्होंने अफसरों से व्यापक पैमाने पर छापेमारी और खेतों में जाकर जांच करने के निर्देश भी दिए हैं। नकली खाद-बीज और कीटनाशकों के कारण कोई एक नहीं, बल्कि विभिन्न जिलों में सैकड़ों किसान परेशान हो रहे हैं। कई जगह से ऐसी शिकायतें आती है, किसान बोलते हैं कि खेत में दवाई डाल रहे हैं पर इसका असर नहीं हो रहा है, मैं तो बहुत चिंतित हूं। इन किसानों की पीड़ा को गंभीरता से समझा जाना चाहिए।' उन्होंने बैठक में बताया कि मैंने रविवार को खुद किसान के खेत में जाकर देखा है। एक दवाई किसान ने डाली, जिसके कारण सोयाबीन की फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई। कल जब मैंने खेत में देखा तो सैकड़ों किसान वहां मौजूद थे। इन सबने मुझे शिकायतें की परेशानी बताईं। बाजार में ऐसी घटिया या नकली दवाई, खाद-बीज बेचने वालों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाना चाहिए, इनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएं। इस संबंध में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए मंत्री ने कहा कि नकली खाद, बीज और कीटनाशक किसानों के लिए अभिशाप है। शिवराज सिंह ने कहा कि हम हमारे किसानों को लूटते हुए नहीं देख सकते।

एशिया कप के लिए क्या होगा भारत का स्क्वॉड

अक्षर या शुभमन किसे मिलेगी उपकप्तानी? ओपनर्स कौन होंगे? बैकअप विकेटकीपर में कितने ऑप्शन?

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में 9 सितंबर से शुरू होगा और टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है.गिल और जायसवाल को लाल गेंद की टेस्ट सीरीज के लिए तरोताजा रखने के कारण टीम में शामिल नहीं किया जा सकता है.श्रेयस अय्यर के शामिल होने की संभावना है जबकि विकल्प विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा चुने जा सकते हैं.

एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाना है. टूर्नामेंट की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है. एशिया के इस सबसे बड़े क्रिकेट इवेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है. वहीं, एशिया कप 2025 के लिए कुछ खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं तो वहीं, कुछ खिलाड़ियों के चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है.

शुभमन गिल का क्या होगा

बता दें कि कुछ दिन पहले ये खबर सामने आ रही थी कि शुभमन गिल को एशिया कप की टीम में शामिल किया जाएगा लेकिन अब रिपोर्ट है कि गिल का चयन एशिया कप की टीम में नहीं होगा. दरअसल, एशिया कप का फाइनल 28 सितंबर को है और वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा, ऐसे में चयनकर्ता गिल और जायसवाल को लाल गेंद की सीरीज के लिए तरोताजा रखना चाहेंगे. इसी सोच के तहत गिल और जायसवाल को एशिया कप में शामिल नहीं किया जा सकता है.

यशस्वी जायसवाल को लेकर संशय के बादल

यही नहीं, यशस्वी जायसवाल का भी चयन अब एशिया कप में होना मुश्किल लग रहा है. स्पोर्ट्स स्टार के रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम मैनेजमेंट गौतम गंभीर की कोचिंग में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर ही टिके रहने की अधिक संभावना है.बता दें कि भारत ने अब तक गंभीर की कोचिंग में खेले गए 15 टी-20 मैचों में से 13 में जीत हासिल की है.

श्रेयस अय्यर और जितेश शर्मा को मिल सकता है मौका

वहीं, दूसरी ओर श्रेयस अय्यर के टीम में आने की संभावना है. विकल्प विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा का चुना जाना मुमकिन है. श्रेयस ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में टी20 मैच खेला था, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश ने जनवरी 2024 में अपना आखिरी मैच खेला था.

रियान पराग पर रहेगी नजर

पिछले आईपीएल सीज़न में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले 22 वर्षीय पराग चयनकर्ताओं की नज़र में हैं. उन्होंने आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ एक मैच में लगातार छह छक्के लगाने का कमाल भी किया था. आईपीएल में अपने बेहतरीन योगदान के अलावा, पराग ने इंटरनेशनल स्तर पर भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है. यही नहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने उन्हें एशिया कप 2025 के लिए अपनी संभावित टीम में भी शामिल किया है. ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता अय्यर और रियान पराग में से किसे टीम में चयन करते हैं.

रिंकू सिंह का क्या होगा

जायसवाल और गिल के अलावा रिंकू सिंह और शिवम दुबे के टीम में चुने जाने को लेकर भी संशय हैं. ऐसे में चयनकर्ता किन-किन खिलाड़ियों का चयन करेंगे, यह देखना काफी दिलचस्प रहने वाला है.

बुमराह को लेकर भी सवाल

वहीं, जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन होना या नहीं, इसको लेकर भी संशय से बादल हैं. ऐसे में चयनकर्ता को तय करना होगा कि बुमराह को टीम में शामिल किया जाए या नहीं.

मोहम्मद सिराज को मिलेगा आराम

वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कमाल की गेंदबाजी करने वाले सिराज को चयनकर्ता एशिया कप से आराम दे सकते हैं. सिराज इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में सबसे ज्यादा ओवर करने वाले गेंदबाज थे. ऐसे में उम्मीद यही है कि सिराज को आराम दिया जाने का फैसला किया जा सकता है.

एशिया कप के लिए ये 11 खिलाड़ी लगभग तय

संजू सैमसम, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा

यूपी टी-20 लीग 2025 : तमन्ना भाटिया-दिशा पाटनी ने मचाई धूम

लखनऊ, 19 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के अटल बिहारी इकाना स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग की ओपनिंग सेरेमनी शानदार तरीके से हुई। जहां बॉलीवुड के सितारों ने महफिल लूटी और स्टेज पर ग्लैमर का ऐसा तड़का लगाया कि दर्शक भी झूमते दिखे। एक्ट्रेस दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, जान्हवी कपूर, एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और गायक सुनिधि चौहान ने ओपनिंग सेरेमनी को रंगीन बनाया। सोशल मीडिया पर यूपी टी-20 लीग के उद्घाटन समारोह की तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। दरअसल, यूपी टी-20 लीग की ट्रॉफी का अनावरण बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने किया। उनके साथ यूपीसीए के सीईओ अंकित चटर्जी, इकाना स्पोर्ट्स सिटी के सीएमडी उदय सिन्हा, यूपी टी-20 लीग के चेयरमैन डीएस चौहान भी शामिल रहे। इकाना स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग में सिंगर सुनिधि चौहान, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने अपने परफॉर्मेंस से खूब महफिल लूटी। सुनिधि ने इश्क है तो के बाद अइसा है कोई दिलवाला रे गेने पर दर्शक का मनोरंजन किया। दिशा पाटनी ने डू यू लव मी गाने पर डांस किया। उनके बाद तमन्ना ने अपने धमाकेदार प्रस्तुति से दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। अंत में सिद्धार्श मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर ने मंच पर एंट्री की और अपनी आने वाली फिल्म परम सुंदरी का प्रमोशन किया।

यूपी टी-20 लीग 2025 का ओपनिंग मुकाबला मेरठ मेवरिक्स बनाम कानपुर सुपरस्टार्स के बीच खेला गया। इस मैच में कानपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बैटिंग करते हुए कप्तान रिंकू सिंह की टीम के लिए रितुराज शर्मा (60*) और माधव कौशिक (95*) रन बनाए और टीम को 225 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

इसके जवाब में कानपुर की टीम 20 ओवर के खेल तक 139 रन ही बना सकी। मेरठ की टीम ने पहला मैच 86 रन से अपने नाम किया।

खेल प्रशासन में शीर्ष पद के लिए पात्रता नियम में बदलाव

पीटी उषा-कल्याण चौबे को हो सकता है फायदा

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महासंघों में शीर्ष पद के लिए खेल मंत्रालय पात्रता नियमों में बदलाव करने जा रहा है। युवा प्रशासकों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। अभी शीर्ष पदों के लिए दो कार्यकाल की पात्रता निर्धारित है, लेकिन अब यह एक कार्यकाल तक सीमित हो जाएगी। इस बदलाव से भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की वर्तमान अध्यक्ष पीटी उषा और भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के प्रमुख कल्याण चौबे के लिए दोबारा चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो सकता है।

खेल विधेयक को अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार

हाल ही में संसद के दोनों सदनों से राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित हुआ था और इस विधेयक को औपचारिक रूप से एक अधिनियम बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इस विधेयक में राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए चुनाव लड़ने हेतु मानदंड निर्धारित किए गए हैं। शीर्ष तीन पदों के लिए इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए मूल रूप से कार्यकारी समिति में दो कार्यकाल अनिवार्य थे। सभी हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इसमें संशोधन कर इसे न्यूनतम एक कार्यकाल तक सीमित कर दिया गया है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि यह बदलाव प्रशासकों का एक बड़ा प्रतिस्पर्धी क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक संतुलन बनाता है। उन्होंने तर्क दिया, महासंघों के चुनावों में दावेदारी पेश करने के लिए न्यूनतम पूर्व कार्यकाल की शर्त को कम करने का निर्णय योग्य और सक्षम उम्मीदवारों के विकल्प को व्यापक बनाने के लिये लिया गया। इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया कि उनके पास प्रभावी ढंग से सेवा करने के लिए पर्याप्त अनुभव हो।

दोबारा चुनाव लड़ने के लिए मान्य होंगे उषा और चौबे

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और एआईएफएफ प्रमुख कल्याण चौबे ने अपने-अपने निकायों की कार्यकारी समितियों में एक-एक कार्यकाल पूरा किया है। अब अगर उषा और चौबे चाहें तो दोबारा चुनाव लड़ सकेंगे। संशोधित प्रावधान राज्य निकायों के अध्यक्षों, सचिवों और कोषाध्यक्षों के लिए भी राष्ट्रीय खेल संघों में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए दावा करने का रास्ता बनाता है, जिससे चुनाव के समय प्रतिस्पर्धा का दायरा बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि कार्यकारी समिति में न्यूनतम कार्यकाल की आवश्यकता को कम करने से यह सुनिश्चित होगा कि निरंतरता और अनुभव के सिद्धांतों से समझौता किए बिना व्यापक प्रतिभा उपलब्ध हो सके।

भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

27 और 28 अगस्त को होगा मुकाबला

मौजूद नीरज

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने डायमंड लीग 2025 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह मुकाबला स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 27 और 28 अगस्त को होगा। गत विश्व चैंपियन नीरज ने 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया डायमंड लीग मीट में हिस्सा नहीं लिया था और उनके 22 अगस्त को ब्रसेल्स में होने वाले अगले डायमंड लीग चरण में हिस्सा लेने की भी जानकारी नहीं है।

तालिका में तीसरे स्थान पर

हालांकि, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वह ब्रसेल्स में हिस्सा लेंगे या नहीं क्योंकि नीरज ने सिलेसिया चरण के बाद जारी नवीनतम तालिका के हिसाब से डायमंड लीग फाइनल के लिए जगह पक्की कर ली है। नीरज ने दो डायमंड लीग मीट में हिस्सा लिया और वह 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। नीरज एक चरण में शीर्ष पर रहे थे, जबकि एक अन्य डायमंड लीग मीट में दूसरे स्थान पर थे। नीरज से आगे 17 अंक लेकर केशोर्न वालकॉट और 15 अंकों के साथ जूलियन वेबर हैं। ब्रसेल्स चरण के बाद तालिका में शीर्ष छह पर रहने वाले एथलीट ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

इस सीजन बेहतरीन रहा है नीरज का प्रदर्शन

नीरज ने आखिरी बार पांच जुलाई को बंगलूरू में हुए नीरज चोपड़ा क्लासिक में हिस्सा लिया था जहां उन्होंने 86.18 मीटर का थ्रो कर खिताब जीता था। नीरज के लिए यह सीजन अब तक शानदार रहा है क्योंकि उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में बहुप्रतिक्षित 90 मीटर का आंकड़ा पार कर लिया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका था और वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इसके बाद नीरज ने जून में पेरिस डायमंड लीग में 88.16 मीटर का थ्रो कर पहला स्थान प्राप्त किया था। नीरज 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे।

दलीप ट्रॉफी 2025- ईशान किशन टूर्नामेंट से बाहर

अभिमन्यु ईश्वरन बने ईस्ट जोन के कप्तान; ओडिशा के आशीर्वाद स्वैन टीम में शामिल

बेंगलुरु, 19 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले मैच से बाहर हो गए हैं। ओडिशा क्रिकेट संघ ने ईशान के बाहर होने की पुष्टि की और बताया कि उनकी जगह टीम में आशीर्वाद स्वैन को शामिल किया गया है। ईशान टूर्नामेंट में पूर्वी क्षेत्र टीम की कमान संभालने वाले थे, लेकिन अब उनकी अनुपस्थिति में उपकप्तान अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी का जिम्मा संभालेंगे।

स्वास्तिक समल स्टैंडबाई खिलाड़ी के तौर पर शामिल

आशीर्वाद के टीम में शामिल होने से स्वास्तिक समल को स्टैंडबाई रखा गया है। ईशान की चोट कितनी गंभीर है इस बारे में अभी पता नहीं चल सका है। ओडिशा क्रिकेट संघ ने बयान जारी कर कहा, ओडिशा के विकेटकीपर बल्लेबाज आशीर्वाद स्वैन को दलीप ट्रॉफी के लिए पूर्वी क्षेत्र टीम में चुना गया है। वह ईशान किशन की जगह लेंगे। वह संदीप पटनायक के साथ टीम में शामिल होंगे, जबकि स्वास्तिक सामल को स्टैंडबाई के तौर पर रखा गया है।

ईशान को आखिरी बार काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन 1 में नॉटिंघमशायर के लिए खेलते हुए देखा गया था। विकेटकीपर बल्लेबाज ने काउंटी टीम के लिए दो लाल गेंद वाले मैचों में दो अर्धशतक लगाए और यहां तक कि उनके लिए थोड़ी स्पिन गेंदबाजी भी की। ईशान हाल ही में ओवल टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत की जगह लेने की दौड़ में थे, लेकिन एन जगदीशन को उनसे आगे चुना गया। आकाश दीप के बाद ईशान पूर्वी क्षेत्र की टीम से हटने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं क्योंकि इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के कड़े दौरे के बाद आराम करने का फैसला किया था। पूर्वी क्षेत्र का टूर्नामेंट के पहले मैच में 28 अगस्त से बंगलूरू में उत्तरी क्षेत्र से मुकाबला होगा।

पूर्वी क्षेत्र की टीम - अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, मोहम्मद शमी, आशीर्वाद स्वैन।

29 अगस्त से हीरो एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप

नालंदा, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में आयोजित होने वाले हीरो एशिया कप हॉकी 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं. 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने टूर्नामेंट के आधिकारिक शुभंकर 'चांद' और ट्रॉफी का भव्य अनावरण किया. इस अवसर पर उन्होंने ट्रॉफी गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो बिहार के सभी जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों से होकर गुजरेगी. बिहार के लिए गौरव का क्षणः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में पहली बार आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित पुरुष हॉकी टूर्नामेंट राज्य के लिए गौरव का विषय है. यह आयोजन न केवल बिहार की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल आयोजन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटन, कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी राज्य की वैश्विक छवि को मजबूत करेगा.

कब से शुरू हो रहा मुकाबलाः राजगीर खेल परिसर में 29 अगस्त से 7 सितंबर 2025 तक पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा. इसके लिए राजगीर खेल परिसर में विश्वस्तरीय हॉकी स्टेडियम सहित कई खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं. 'चांद' हॉकी के जादूगर का प्रतीकः हीरो एशिया कप 2025 का शुभंकर 'चांद' भारत के राष्ट्रीय पशु बाघ से प्रेरित है, जो साहस, स्फूर्ति और कौशल का प्रतीक है. इसका लाल लबादा शक्ति और उत्साह को दर्शाता है, जबकि जादूगर की टोपी हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करती है. 'चांद' का नाम मेजर ध्यानचंद से प्रेरित है, जिन्होंने चांदनी रातों में अभ्यास कर हॉकी में इतिहास रचा. यह शुभंकर बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के बाघ से भी प्रेरणा लेता है.

एशिया कप हॉकी- पाकिस्तान की जगह खेल सकता है बांग्लादेश

नई दिल्ली, 19 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी पुरुष एशिया कप में बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान की जगह ले सकती है। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से बिहार के राजगीर में होना है और अगर पाकिस्तान ने अगले कुछ दिनों में इसमें भाग लेने की पुष्टि नहीं की तो बांग्लादेश को उसकी जगह शामिल किया जाएगा। भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह एशिया कप के लिए पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देगी, लेकिन पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर यात्रा करने से मना कर दिया है।

अगले दो दिन में स्थिति होगी स्पष्ट

आयोजकों ने आठ टीमों के टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह भरने के लिए बांग्लादेश से संपर्क किया है, लेकिन हॉकी इंडिया ने कहा कि अगले 48 घंटों में वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। हॉकी इंडिया के अधिकारी ने कहा, भारत सरकार पहले ही कह चुकी है कि वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों को वीजा देने को तैयार है, लेकिन अगर वे भारत नहीं आना चाहते तो यह हमारी समस्या नहीं है। अगर पाकिस्तान नहीं आता है तो बांग्लादेश को पहले ही भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जा चुका है, लेकिन हमें पुष्टि के लिए दो दिन और इंतजार करना होगा। न तो पाकिस्तान और ना ही बांग्लादेश ने अभी तक हमें इसकी पुष्टि की है। लेकिन बांग्लादेश पाकिस्तान की जगह ले सकता है।

ये टीमें एशिया कप में लेंगी हिस्सा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ सैन्य टकराव के बाद एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित हो गई थी। एशिया कप 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। मेजबान भारत के अलावा, एशिया कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें चीन, जापान, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, ओमान और चीनी ताइपे हैं।

सरफराज खान ने ठोका तूफानी शतक

टीम इंडिया ने कर दिया था बाहर

चेन्नई, 19 अगस्त (एजेंसियां)। बुची बाबू 2025 टूर्नामेंट की शुरुआत हो चुकी है. तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से इस टूर्नामेंट का आयोजन 18 अगस्त से 9 सितंबर के बीच करवाया जा रहा है. टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के चार ग्रुप में बांटा गया है. राउंड 1 में टीएनसीए इलेवन और मुंबई के बीच गोजन कॉलेज बी ग्राउंड पर टक्कर हो रही है. इस मुकाबले के पहले ही दिन भारत के स्टार बल्लेबाज सरफराज खान ने एक शानदार शतक जड़कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. सरफराज खान ने ये शतक 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जड़ा. वह जब बल्लेबाजी करने उतरे तो मुंबई ने 98 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद सरफराज खान ने टीम की पारी को संभालने का काम किया और तूफानी शतक जड़ा. सरफराज ने सिर्फ 92 गेंदों पर 100 रन का आंकड़ा छुआ. इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी जड़े. सरफराज खान के लिए ये पारी कई मायनों में खास हैं, क्योंकि हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में नहीं चुना गया था. सरफराज खान पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर भी चर्चाओं में हैं. टीम इंडिया में ना चुने जाने के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया था. सरफराज खान ने महज डेढ़ महीने में लगभग 17 किलो वजन कम करके सभी को चौंका दिया था. वजह घटाने के बाद ये उनका पहला मैच है और वह इस मुकाबले में अपनी छाप छोड़ने में भी कामयाब रहे हैं. सरफराज खान की नजर अब वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज में अपनी जगह बनाने पर है.

अरे सब गंवार हैं, बाबर आजम की महानता समझ ही नहीं सकते

पाकिस्तान के सिलेक्टरों पर फट पड़े जावेद मियांदाद

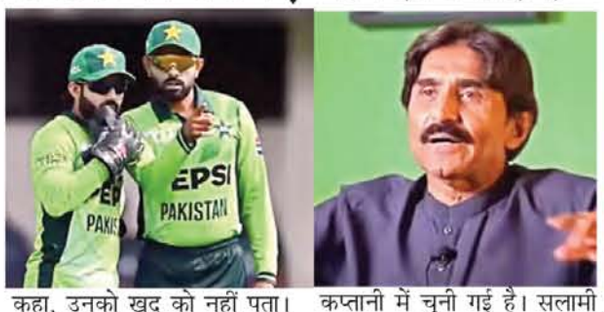

इस्लामाबाद, 19 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टीम घोषित हो गई है। टीम को उससे पहले यूएई में ट्राई सीरीज भी खेलनी है। इसमें वही खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिन्हें एशिया कप के लिए चुना गया है। टीम में पूर्व कप्तान बाबर आजम के साथ ही प्रमुख विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है। दोनों टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप-2 पर हैं। हालांकि स्ट्राइक रेट की वजह से दोनों की आलोचना होती है।

बाबर आजम को एशिया कप टीम में जगह नहीं देने की वजह से जावेद मियांदाद ने चयनकर्ताओं की आलोचना की है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मियांदाद ने कहा, उनको खुद को नहीं पता। उन्होंने क्रिकेट खेली है? जो जिस लेवल पे क्रिकेट खेली है, वो सिलेक्शन कर रहे हैं बाबर आजम की। उसको क्या नजर आएगा? बाबर आजम इज अ ग्रेट प्लेयर। अप्स एंड डाउन्स होते हैं। क्रिकेट एक रेडियो की तरह है- आपको स्टेशन पकड़ना होता है। जब आप विकेट पर जाते हैं और गेंदबाज आता है तो आप सोचते हैं कि हां, मैं यह कर सकता हूं।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान की टीम सलमान अली आगा की कप्तानी में चुनी गई है। सलामी बल्लेबाज के रूप में फखर जमां के साथ सईम अयूब और साहिबजादा फरहान को चुना गया है। विकेटकीपर के रूप में मोहम्मद हारिस को मौका दिया गया है। एशिया कप में पाकिस्तान की टीम भारत के साथ ग्रुप ए में है। इसमें ओमान और यूएई की भी टीम है। 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ पाकिस्तान के अभियान की शुरुआत होगी। 14 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

उम्र और लंबाई के मुताबिक कितना होना चाहिए आपका सही वजन?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए यह आवश्यक है कि आपकी जीवनशैली और आहार दोनों ही संतुलित और सही हों। विभिन्न चिकित्सा रिपोर्ट्स के अनुसार, तेजी से बढ़ रही क्रोनिक स्वास्थ्य समस्याओं में मोटापा एक प्रमुख कारण बन रहा है। वजन अधिक होने से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और लिवर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आजकल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई वजन बढ़ने की समस्या से जूझ रहा है और इसलिए वजन को नियंत्रित रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

शोध बताते हैं कि उचित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर वजन को नियंत्रित रखा जा सकता है। हालांकि हर व्यक्ति के लिए यह जानना आवश्यक है कि उनकी उम्र और लंबाई के अनुसार कितना वजन सामान्य है और कितना अधिक। महिला और पुरुष की आयु और लंबाई के मुताबिक दोनों का वजन कितना होना चाहिए।

बीएमआई से स्वस्थ वजन का अनुमान

बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि उनका आदर्श वजन क्या होना चाहिए। हालांकि, हर किसी के लिए एक समान आदर्श वजन नहीं हो सकता। बॉडी मास इंडेक्स का उपयोग वजन की स्थिति को जानने के लिए किया जा सकता है। सामान्य रूप से 18.5 से 24.9 के बीच की बीएमआई को स्वस्थ माना जाता है, जबकि 25 से 30 के बीच की बीएमआई को अधिक वजन वाला माना जाता है।

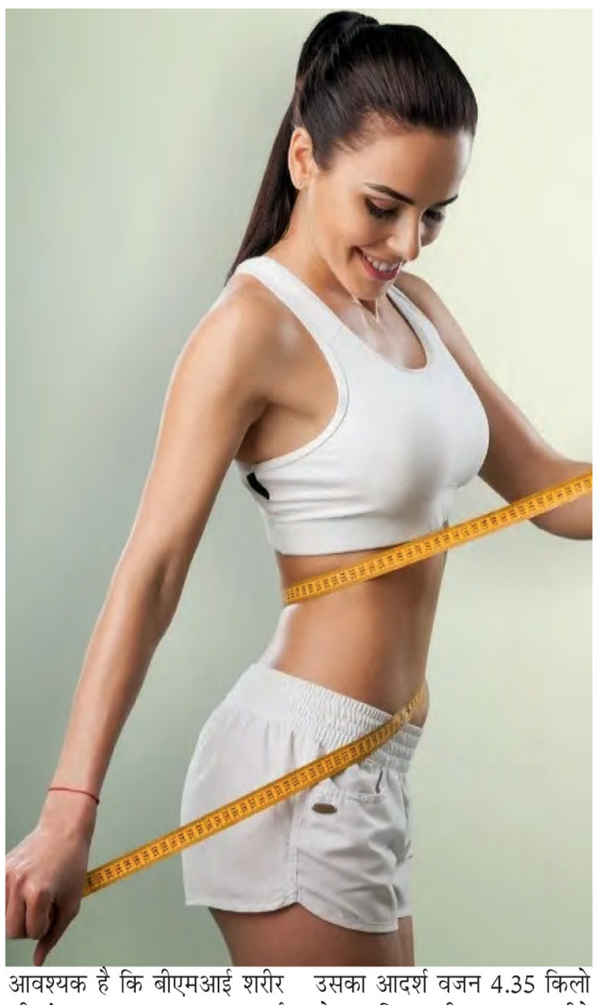

हालांकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बीएमआई शरीर की संरचना या स्वास्थ्य का सम्पूर्ण आकलन नहीं करता। इसे अन्य परीक्षणों और आकलनों के साथ उपयोग किया जाना चाहिए ताकि सही स्वास्थ्य स्थिति का अनुमान लगाया जा सके।

बच्चों के लिए आदर्श वजन

बढ़ते बच्चों का वजन उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। एक महीने के बच्चे की लंबाई 53 सेंटीमीटर हो तो उसका आदर्श वजन 4.35 किलो होना चाहिए। इसी प्रकार, 3 महीने के बच्चे की लंबाई 60 सेंटीमीटर हो तो उसका वजन 6 किलो स्वस्थ माना जाता है।

उम्र (वर्ष)	लंबाई (सेमी)	वजन
4 माह	62	6.5
6 माह	64	7.5
9 माह	70	8.5
12 माह	74	9-10
डेढ़ साल	80	10-11
दो साल	85	11.75-13

पुरुषों की हाइट के मुताबिक वजन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मुताबिक, मध्यम शारीरिक ढांचे वाले पुरुषों के लिए 5'4 से 6'0 तक की लंबाई होने पर आदर्श वजन 50 से 73 किलोग्राम होता है। वजन जितना नियंत्रित होगा, बीमारियों से बचाव भी उतना अधिक होता है।

लंबाई (फिट)	वजन
4'6	29-34
4'8	34-40
4'10	38-45
5'0	43-53
5'2	48-58
5'4	53-64
5'6	58-70
5'8	63-76
6'0	72-88

महिलाओं के लिए स्वस्थ वजन

विशेषज्ञों के अनुसार, मध्यम शारीरिक ढांचे वाली महिलाओं के लिए लंबाई 4'10₹ से 5'8₹ के बीच होने पर आदर्श वजन 45-59 किलोग्राम होना चाहिए। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि आदर्श वजन हर व्यक्ति के लिए एक समान नहीं होता, और यह व्यक्ति की शारीरिक संरचना, उम्र, और अन्य कारकों पर निर्भर करता है। अपने आदर्श वजन के बारे में जानने के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

लंबाई (फिट)	वजन
4'6	28-34
4'8	32-39
4'10	36-44
5'0	40-49
5'2	44-55
5'4	49-59
5'6	53-64
5'8	57-69
6'0	65-79

रनिंग या वॉकिंग कौन सा अभ्यास आपके लिए ज्यादा फायदेमंद?

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए नियमित व्यायाम की आदत बनाना बहुत जरूरी है। ये संपूर्ण स्वास्थ्य- शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से आपको फिट रखने में लाभकारी है। अगर आप जिम नहीं जा सकते हैं तो हल्के स्तर के अभ्यास को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

रनिंग या वाकिंग जैसे हल्के स्तर के अभ्यास की आदत भी आपको शारीरिक रूप से सक्रिय रखने और कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकती है। अब ये सवाल उठना लाजमी है कि रनिंग और वॉकिंग में कौन सा सबसे ज्यादा लाभकारी है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, चलना और दौड़ना दोनों ही व्यायाम लाभकारी हैं। हृदय स्वास्थ्य, वजन को कंट्रोल रखने, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र फिटनेस के लिए इनसे कई प्रकार के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि आपकी सेहत के हिसाब से कौन से अभ्यास ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

फिटनेस एक्सपर्ट कहते हैं वाकिंग एक प्रभावशाली शारीरिक गतिविधि है जो आमतौर पर सभी उम्र के लोगों के लिए काफी सुलभ है। वहीं रनिंग करना अपेक्षाकृत कठिन अभ्यास है जिससे आप कम समय में अधिक कैलोरी बर्न कर सकते हैं। हृदय संबंधी फिटनेस और शारीरिक शक्ति में सुधार के लिए इससे लाभ पाया जा सकता है।

वॉकिंग के फायदे

वॉक करना हल्के स्तर का अभ्यास माना जाता है। ये अभ्यास आपके जोड़ों पर ज्यादा दबाव नहीं डालता है ऐसे में यह उन लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है जो घुटने या पीठ के दर्द से पीड़ित हैं।

वॉकिंग एक ऐसा व्यायाम है जिसे आप लंबे समय तक बिना थके कर सकते हैं। रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने और हृदय स्वास्थ्य लाभ के लिए वॉकिंग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना लाभकारी है। सभी उम्र के लोगों के लिए ये अभ्यास करना आसान माना जाता है।

रनिंग करने के क्या फायदे हैं?

वॉकिंग की तुलना में रनिंग करना अपेक्षाकृत कठिन अभ्यास माना जाता है। विशेषतौर पर ये उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो तेजी से कैलोरी बर्न करना चाहते हैं। कैलोरी बर्न होने से वजन घटाने में मदद मिलती है। ये एक प्रभावी एरोबिक व्यायाम है, जो हृदय को मजबूत बनाने और कार्डियोवास्कुलर सिस्टम को बेहतर करने में मदद करता है। शरीर की शक्ति और सहनशीलता को बढ़ाने में भी इस अभ्यास की मदद से लाभ पाया जा सकता है।

कौन सा अभ्यास करें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप अपनी जरूरतों के आधार पर रनिंग और वाकिंग जैसे अभ्यास का चयन कर सकते हैं। वजन घटाने और तेजी से कैलोरी बर्न करने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो रनिंग ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। वहीं गठिया और हड्डियों से संबंधित समस्याओं से परेशान लोगों के लिए वॉक करना बेहतर विकल्प माना जाता है। दोनों ही व्यायाम आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

40 के बाद पुरुषों को जरूर करनी चाहिए ये मेडिकल चेकअप

40 की उम्र को अक्सर जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है, जहां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में कई बदलाव आने लगते हैं। इस उम्र के बाद पुरुषों में कई पुरानी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। हालांकि नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर सावधानी बरतकर इन बीमारियों से बचा जा सकता है या उन्हें शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता है।

अक्सर पुरुष अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में गंभीर शारीरिक समस्याओं से निपटने के लिए समय रहते बीमारी का पता चल जाना बहुत जरूरी है। इसलिए विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि इन लोगों को कुछ जांच करा लेने चाहिए। इससे आप न सिर्फ अपनी सेहत की निगरानी कर सकते हैं, बल्कि भविष्य की कई गंभीर बीमारियों से भी खुद को बचा सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही कुछ प्रमुख शारीरिक जांच के बारे में जानते हैं।

रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की जांच

40 के बाद उच्च रक्तचाप और उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या काफी आम हो जाती है। ये दोनों ही हृदय रोग और स्ट्रोक के प्रमुख जोखिम कारक हैं। नियमित रूप से रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की

जांच करवाना बहुत जरूरी है। रक्तचाप की जांच हर साल और कोलेस्ट्रॉल की जांच हर 3-5 साल में करवानी चाहिए। यदि मान सामान्य से अधिक आता है, तो डॉक्टर से सलाह लें।

ब्लड शुगर की जांच

डायबिटीज भारत में तेजी से बढ़ती एक गंभीर बीमारी है। 40 की उम्र के बाद इसका खतरा और बढ़ जाता है। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करवाना (जैसे HbA1c टेस्ट) बहुत जरूरी है। यह जांच न केवल डायबिटीज का पता लगाने में मदद करती है, बल्कि यह भी बताती है कि आपका ब्लड शुगर पिछले तीन महीनों में कितना नियंत्रित रहा है।

प्रोस्टेट की जांच

प्रोस्टेट ग्रंथि पुरुषों में एक महत्वपूर्ण अंग है, और 40 की उम्र के बाद इसमें समस्या होने की संभावना बढ़ जाती है। प्रोस्टेट-विशिष्ट एंटीजन टेस्ट और डिजिटल रेक्टल एग्जाम प्रोस्टेट कैंसर और प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया जैसी स्थितियों का पता लगाने में मदद करते हैं। शुरुआती चरण में पता चलने पर इन बीमारियों का इलाज आसान हो जाता है।

लिवर और किडनी की जांच

40 की उम्र के बाद लिवर और किडनी का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। इन अंगों की कार्यप्रणाली को जांचने के लिए लिवर फंक्शन टेस्ट और किडनी फंक्शन टेस्ट करवाना चाहिए। ये टेस्ट लिवर एंजाइम के स्तर और क्रिएटिनिन जैसी चीजों को मापते हैं, जिससे यह पता चलता है कि ये अंग ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं। नियमित जांच से फैटी लिवर या किडनी की शुरुआती समस्याओं का पता लगाया जा सकता है, जिससे समय रहते उनका इलाज किया जा सके।

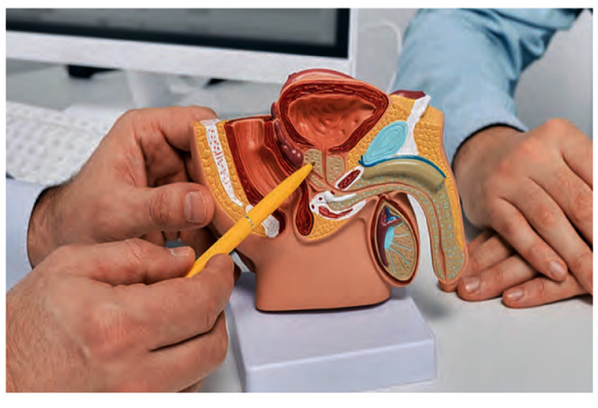

विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक होते हैं। बहुत से लोग इसे 'सनशाइन विटामिन' के नाम से भी जानते हैं, हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने, कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने और हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि आजकल की जीवनशैली में लोग सूरज की रोशनी में बहुत कम समय बिताते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी एक आम समस्या बन गई है।

विटामिन डी की कमी से थकान, हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह एक गंभीर स्थिति है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जहां सूरज की रोशनी इसका सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत है, वहीं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है। ये खाद्य पदार्थ न केवल आपके शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ाते हैं, बल्कि आपको अन्य पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही चार खास चीजों के बारे में जानते हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके विटामिन डी की कमी को दूर कर सकते हैं।

मशरूम

मशरूम उन कुछ पौधों में से एक है जिनमें स्वाभाविक रूप से विटामिन डी पाया जाता है। जब मशरूम सूरज की रोशनी या यूवी किरणों के संपर्क में आते हैं, तो वे विटामिन डी2 का उत्पादन करते हैं। मशरूम का सेवन करने से शरीर को विटामिन डी की अच्छी मात्रा मिलती है। आप इसे अपनी सब्जी, सलाद या सूप में शामिल कर सकते हैं।

दूध

दूध को कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन आजकल कई दूध उत्पादों को विटामिन डी से फोर्टिफाई (मजबूत) किया जाता है। विटामिन डी और कैल्शियम दोनों ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। फोर्टिफाइड दूध का नियमित सेवन आपके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम दोनों की कमी को दूर करता है, जिससे हड्डियाँ मजबूत रहती हैं।

वीगन मिल्क

जो लोग डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करते, उनके लिए फोर्टिफाइड वीगन मिल्क एक बेहतरीन विकल्प है। आजकल सोया मिल्क, बादाम मिल्क, और ओट मिल्क जैसे कई वीगन मिल्क को विटामिन डी से फोर्टिफाइड किया जाता है। इन वीगन मिल्क का सेवन करके आप विटामिन डी की अपनी दैनिक जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

अंडा

अंडा खासकर उसकी जर्दी, विटामिन डी का एक बढ़िया प्राकृतिक स्रोत है। भले ही अंडे में विटामिन डी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो, लेकिन इसका नियमित सेवन आपकी दैनिक जरूरत को पूरा करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, अंडे में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इसे एक पौष्टिक भोजन बनाते हैं।

कमर दर्द के लिए सरल उपाय

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। कमर दर्द की समस्या से परेशान हूं। कृपया इसके उपचार के सरल उपाय बताएं।
- वेंकटेश रेड्डी, संगारेड्डी

उत्तर : कमर दर्द का मुख्य कारण वात का कुपित होना एवं शरीर का दुर्बल होना है। कमर दर्द के कारण सीधा खड़ा रहना भी मुश्किल हो जाता है। सर्दियों में यह दर्द अधिक बढ़ जाता है। कुछ महत्वपूर्ण घरेलू उपचारः

*अदरक और घी : अदरक का रस चार चम्मच तथा शुद्ध गाय का घी दो चम्मच मिलाकर एक खुराक प्रतिदिन लेते रहने पर कुछ ही दिनों में कमर का दर्द ठीक हो जाता है।

*आलू की पुल्टिस : कमर दर्द का बचाव करने के लिए कच्चे आलू की पुल्टिस तैयार करें। इसे कमर पर लगाकर साफ पट्टी बांध दें। कुछ देर उल्टे लेटे रहे। काफी आराम मिलेगा।

* अश्वगंधा की जड़ का चूर्णः कमर दर्द के स्थाई आराम के लिए 5 ग्राम अश्वगंधा का पाउडर तथा एक चम्मच पीसी खांड या शक्कर लेवें। ऐसी दो खुराक सुबह और शाम रोगी को दें ,अवश्य आराम होगा।

* अरंडी के तेल से कमर पर मालिश करने से कमर दर्द में आराम मिलता है।

शास्त्रीय योगों में ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, वात गजांकुश रस, औरा अश्वगंधा घनवटी-इन तीनों की एक एक गोली सुबह, दोपहर, शाम भोजन के बाद देने से कमर का दर्द स्थाई रूप से कम होता है ।

औरा रुमाटाईज टिकिया एवं ऊंझा रूमूव कैप्सूल सुबह - शाम भोजन के बाद महारास्नादि काढ़ा के संग लेने से काफी आराम मिलता है। कमर दर्द पर उंझा महानारायण तेल या औरा रुमाटाइज ऑयल की मालिश करने से दर्द जल्दी ही ठीक होता है।

चिकित्सा काल में वातकारक आहार-विहार से बचें । बासी भोजन, खटाई, गुड व तेल में तले पदार्थ से परहेज करें।

प्रश्न : मेरी उम्र 55 वर्ष है। हाल ही में जीभ पर कैंसर का पता चला। ऑकोलॉजिस्ट की राय से तुरंत शल्यक्रिया करवाई। अभी ठीक है। पर डॉक्टर कहते हैं यह फिर से हो सकता है। क्या आयुर्वेद में कैंसर का उपचार है? कृपा कर बताएं।
- यस राजेंद्र कुमार, सिकंदराबाद

उत्तर : कैंसर को आयुर्वेद में कर्कटार्बुद कहते हैं। बेकार किस्म की विक्षत व बढ़ने वाली उपकला कोशिकाओं की नवीन वृद्धि जो शरीर के विभिन्न भागों में हो जाती है और उसके आसपास के ऊतकों को भी प्रभावित कर के रक्त व लसीका वाहिनीयों के रास्ते प्रवेश करके शरीर भर में फैल जाती हैं । यह प्रारंभिक अवस्था में कष्टसाध्य और जीर्ण अवस्था में असाध्य तथा जानलेवा भी हो जाती है।

जीभ का कैंसर अक्सर

उन लोगों को होता है जो तंबाकू का सेवन, गुटखा, खैनी, जर्दा, किमाम, सिगरेट आदि के रूप में करते हैं। आयुर्वेद में कैंसर का इलाज है। ऊंझा का कैन्सोनिल और औरा का एनाकार्सिन एक शक्तिशाली जंतुघ्न एवं कैंसररोधी औषधकल्प है जो कैंसर के घाव, पीप, सड़न आदि को रोकता है।

आयुर्वेद के प्राचीन ग्रंथों में हीरक भस्म, अभ्रक भस्म , पन्ना भस्म, स्वर्ण भस्म आदि को अर्बुदरोधी बताया है। कांचनार, हल्दी, तुलसी और गुडूची में संक्रमणनाशक गुण भरे हैं। इसी कारण कैंसर की प्रथम अवस्था में इन औषधियों का प्रयोग बेहतरीन नतीजे देता है। कैंसर की शल्यक्रिया और रेडियो थेरेपी के साथ और बाद में कैंसोनिल एवं एनाकार्सिन भी देते रहने से कैंसर को मिटाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। कैंसर जैसे राज रोग का इलाज योग्य आयुर्वेदाचार्य के संरक्षण में ही करना चाहिए। हां यह सच है कि जिसकी आयु बची है - उसी का इलाज संभव है।

प्रश्न : मेरी उम्र 45 वर्ष है। फेफड़े में घाव है। इसके क्या लक्षण है? उपचार क्या है ? कृपया कर बताएं।
- बाल परमेश्वर, हैदराबाद

उत्तर : फेफड़ों में छालों के कारण खांसी और बलगम आ सकता है। यह लक्षण कभी-कभी या लगातार बने रह सकते हैं। बलगम सफेद या पीला और खून मिला होने पर लाल भी हो सकता है। खांसी के साथ रक्त भी आ सकता है। यह लक्षण 60% व्यक्तियों में देखे जा सकते हैं। इसके कारण सांस फूलना, वजन गिरना, साइनस संक्रमण आदि हो सकते हैं । फेफड़ों के डिजिटल एक्सरे, सीटी स्कैन से फेफड़ों के छालों की पुष्टि हो सकती है। बलगम व रक्त परीक्षण से संक्रमण के कारण का पता चल सकता है ।

ऊंझा श्रृंगाराभ्र रस टिकिया, बोल बद्ध रस, लाक्षा चूर्ण, ऊंझा सितोपलादि चूर्ण, ऊंझा बसंत मालती रस आदि का प्रयोग रोग विनिश्चय के बाद कुशल वैद्य के संरक्षण में करना लाभदायक होता है।

आमिर खान का अफेयर था नाजायज बच्चा भी है : फैजल खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के भाई फैजल खान इन दिनों अपनी फैमिली के खिलाफ अपने 'विवादित' बयानों को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में फैजल खान ने खुलासा किया है कि उनके भाई आमिर का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था. इतना ही नहीं, फैजल ने ये भी दावा किया है कि सुपरस्टार का एक नाजायज बच्चा भी है.

फैजल खान ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की जहां उन्होंने आमिर खान और अपने परिवार को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. उन्होंने कहा- 'जब मैं अपनी फैमिली से नाराज हुआ था तो मैंने एक लेटर लिखा था. मेरी फैमिली मुझे बार-बार कह रही थी कि तुम शादी करो, शादी करो. बहुत प्रेशर आ रहा था. मैंने लेटर में हर फैमिली मेंबर के बारे में लिखा था कि तुम क्या हो, तुम क्या हो.'

'उनका नाजायज बच्चा भी है'

फैजल खान ने कहा- 'मेरी जो बहन है निखत, उसकी तीन बार शादी हुई है, आमिर खान की शादी हुई थी फिर तलाक हो गया रीना के साथ. फिर उनका रिलेशनशिप था जेसिका हाइन्स के साथ, जिसके साथ उनका नाजायज बच्चा भी है, शादी के बाहर. वो उस वक्त किरण के साथ लिव-इन में था. मेरे पापा ने दो बार शादी की. मेरी कजिन सिस्टर ने दो बार शादी की, तलाक लिया फिर शादी की, तलाक लिया फिर शादी की. तो मैं बोलता था यार कि तुम लोग मुझे क्या सलाह दे रहे हो.'

क्या है असल मामला?

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आमिर खान का ब्रिटिश पत्रकार जेसिका हाइन्स के साथ अफेयर था. रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आमिर ने जेसिका को अबॉर्शन कराने की भी सलाह दी थी. हालांकि जेसिका ने बच्चा अबॉर्ट नहीं किया. हालांकि आमिर ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया था.

जेसिका हाइन्स के बेटे के पिता होने के दावे पर आमिर ने क्या कहा?

वहीं फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' में आमिर खान ने कबूल किया था कि वो रिलेशनशिप में धोखा दे चुके हैं. उनसे पूछा गया था कि क्या उन्होंने कभी किसी को रिलेशनशिप में धोखा दिया है या एक ही टाइम पर दो लोगों को डेट किया है? इस पर आमिर ने कहा था- 'हां.'

इस हसीना की वजह से भाई राम चरण से खफा हुए थे अल्लू अर्जुन, 18 साल नहीं हुई थी बातचीत

अल्लू अर्जुन और राम चरण दोनों ही साउथ सिनेमा के सुपरस्टार हैं. जो हर फिल्म में दमदार किरदार निभाकर लोगों को दीवाना बना लेते हैं. ये दोनों एक्टर कजिन भाई हैं. जो एक-दूसरे के साथ प्यार भरा बॉन्ड शेयर करते हैं. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि एक वक्त में उनके बीच ऐसी तीखी बहस हुई थी कि 18 साल तक उनकी बातचीत बंद हो गई थी. जानिए आखिर पूरा मामला क्या है....

किस एक्ट्रेस की वजह से अल्लू और राम हुए थे खफा?

दरअसल ये वाक्या साल 2007 का है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उस वक्त अल्लू अर्जुन का दिल इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'क्रूक' में नजर आने वाली एक्ट्रेस नेहा शर्मा पर आ गया था और दोनों का रिलेशनशिप भी था. इसी बीच राम चरण ने फिल्म 'चिरुथा' में नेहा के साथ किया था. यही से दोनों के रिश्ते में दरार आ गई.

18 साल तक अल्लू और राम ने नहीं की थी बात

'चिरुथा' में काम करते हुए राम चरण एक्ट्रेस नेहा के करीब आए गए थे. उनकी नजदीकियां बढने लगी थी. जैसे ही इसकी भनक अल्लू को लगी तो वो बौखला गए. एक रिपोर्ट के अनुसार दोनों भाईयों में नेहा शर्मा को लेकर काफी बहस भी हुई थी. इस बहस का नतीजा ये निकला की दोनों के बीच बातचीत ही बंद हो गई. रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों एक्टर्स ने करीब 18 साल एक-दूसरे से बात नहीं की थी.

इन फिल्मों में नजर आए थे राम और अल्लू

हालांकि अब दोनों भाईयों का रिश्ता काफी अच्छा है. दोनों अक्सर शादी और पार्टियों में एकसाथ स्पॉट भी किए जाते हैं. बता दें कि राम चरण साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे हैं. रिश्ते में वो अल्लू के कजिन हैं. वर्कफंट की बात करें तो राम चरण आखिरी बार कियारा आडवाणी के साथ फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आए थे. वहीं अल्लू अर्जुन को 'पुष्पा 2'में देखा गया था. उनकी ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही थी.

30 की उम्र में अरबपति बनने वाली हैं सारा अली खान कम फिल्में करके भी करोड़पति हैं भाई इब्राहिम अली खान

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और अमृता सिंह के दोनों बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान बॉलीवुड का हिस्सा बन गए हैं. सारा अली खान ने फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. वहीं इब्राहिम ने इसी साल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'नादानियां' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की है. दोनों भाई-बहन भले ही एक की पैशन फॉलो कर रहे हों, लेकिन दौलत के मामले में सारा और इब्राहिम के बीच काफी अंतर है.

सारा अली खान का घर और कार कलेक्शन

साल 2018 की फिल्म 'केदारनाथ' से डेब्यू करने वाली सारा अली खान ने सात साल के करियर में खूब पैसा कमाया है.

एक्ट्रेस का मुंबई के जुहू में एक शानदार अपार्टमेंट है जिसकी कीमत 1.3 करोड़ रुपए बताई जाती है.

सारा के पास 1.3 करोड़ की मर्सिडीज-बेंज जी-क्लास जी-वैगन 350डी, एक जीप कंपास, होंडा सीआर-वी और आल्टो जैसी गाड़ियां हैं.

सारा अली खान की इनकम और नेटवर्थ

सारा अली खान अपनी एक फिल्म के लिए 5-7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं.

एक्ट्रेस ब्रांड एंडोर्समेंट से भी तगड़ी कमाई करती हैं. वो Puma और Veet जैसे ब्रांड्स का चेहरा हैं.

सारा की एंडोर्समेंट फीस 20 से 25 लाख रुपए बताई जाती है.

मल्टीपल रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा कुल 55 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं.

वहीं सारा की नेटवर्थ 82 करोड़ रुपए है, यानी एक्ट्रेस जल्द ही अरबपति बन सकती हैं.

इब्राहिम अली खान की नेटवर्थ

सारा अली खान के भाई इब्राहिम अली खान ने इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा है.

एक्टर फिल्म 'नादानियां' और सरजमीन में दिखाई दे चुके हैं.

बहन सारा के तरह इब्राहिम के पास भी शानदार कार कलेक्शन है.

उनके पास मर्सिडीज EQS 580 और 1 करोड़ की कीमत वाली BMW X5 जैसी गाड़ियां हैं.

इब्राहिम अपनी हर फिल्म के लिए अच्छी फीस वसूल करते हैं. वहीं वो ब्रांड एंडोर्समेंट से भी अच्छी कमाई करते हैं. कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इब्राहिम की टोटल नेटवर्थ 20 से 25 करोड़ रुपए है.

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर आर. माधवन बोले:'लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है'

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म 'आप जैसा कोई' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है।

माधवन ने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है।

क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती।

आर. माधवन ने आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें।

माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है।

उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आदमी कुछ गलत करना चाहता है, वो तो बस अपने तौर-तरीके निभा रहा होता है। हमारी पितृसत्तात्मक सोच वाली समाज में, अगर कोई पति अपनी पत्नी को काम करने देता है तो उसे बड़ा दिल वाला माना जाता है, लेकिन सही तरीका ये है कि कहें- 'मुझे गर्व है कि मेरी पत्नी काम कर रही है।

एकता कपूर पर राशन-पानी लेकर चढ़े मुकेश खन्ना, 'क्योंकि सास भी कभी बहू' को लेकर बोले- 'देश में ऐसी औरतें नहीं है'

शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना अक्सर अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं. इस बार उन्होंने एकता कपूर पर भड़ास निकाली हैं. जो आजकल स्मृति ईरानी के शो क्योंकि सास भी बहू थी को लेकर बरसे हैं. उन्होंने कहा कि एकता कपूर अपने सीरियल में महिलाओं को गलत तरह से पेश कर रही हैं. मानो देश की औरतें वैम्प हों.

एक इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने एकता कपूर को लेकर कहा, 'आपका क्या एटिट्यूट है? आपको फिक्र नहीं है कि आपने नैतिकता की ऐसी की तैसी कर रखी है. घर के सिस्टम की ऐसी तैसी कर रहे हो. आप सास भी कभी बहू थी जैसे शोज लाते हो जिसमें 6 औरतें झुमका बिंदी लगाकर बोलती हैं. देखती हूं तुम्हारी शादी कैसे होती है.'

एकता कपूर पर भड़के मुकेश खन्ना

वह आगे कहते हैं कि शोज में सभी महिलाओं को मतलबी दिखाया गया है. हमारे देश में ऐसी औरतें नहीं हैं. सोचिए तो भी ये पॉपुलर है. बता दें मुकेश खन्ना देश के सबसे बड़े सुपरहीरो टीवी शोज शक्तिमान से खासा पॉपुलर हुए. वह महाभारत में भी नजर आ चुके हैं. बात करें क्योंकि सास भी कभी बहू की तो ये 29 जुलाई 2025 से प्रीमियर हुआ. एक बार फिर तुलसी के रूप में स्मृति ईरानी तो अमर उपाध्याय नजर आ रहे हैं. आते के साथ ही इस शो ने टीआरपी की दौड़ में सबसे आगे जगह बनाई है.

करिश्मा कपूर की तारीफ में बोलीं एक्स ननद मंदिरा कपूर

वो एक बेहतरीन मां हैं, परिवार को बखूबी संभाल रखा है

करिश्मा कपूर के एक्स पति और बिजनेसमैन संजय कपूर का निधन हो चुका है। दोनों की शादीशुदा जिंदगी काफी विवादों में रही थी। करिश्मा ने अपने पति संजय कपूर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इस बीच संजय कपूर की बहन और करिश्मा की एक्स ननद मंदिरा कपूर ने करिश्मा की तारीफ की । उन्होंने कहा कि करिश्मा एक बेहतरीन मां हैं। साथ ही संजय कपूर की दूसरी पत्नी प्रिया सचदेव के साथ रिश्तों को लेकर भी बात की।

मंदिरा कपूर ने कहा, मैं यह मानती हूं कि करिश्मा एक बहुत अच्छी मां हैं। उन्होंने परिवार को बहुत अच्छे से संभाला है और इसके लिए मैं उनकी तारीफ करती हूं। मुझे लगता है कि बच्चे आपस में बहुत क्लोज हैं और उनके बीच एक मजबूत बॉन्ड है। मुझे उम्मीद है कि हम इस रिश्ते को आगे तक लेकर जाएंगे और परिवार को एक बार फिर से एकजुट कर पाएंगे। करिश्मा अपने बच्चों का बिल्कुल एक मां की तरह ख्याल रख रही हैं।

मंदिरा ने यह भी बताया कि वह आज भी करिश्मा के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मुझे तो यहां तक लगता है कि करिश्मा प्रिया सचदेव के भी कॉन्टैक्ट में हैं। सच कहूं तो हमारे बीच रिश्ते हमेशा अच्छे रहे हैं। बच्चे मां (रानी कपूर) से मिलने आते रहते हैं और हम सब अब भी टच में हैं। हमारे बीच कोई पारिवारिक कलह नहीं है। हमें बस इतना सुनिश्चित करना है कि हमारे परिवार के जो मुखिया हैं, उन्हें उनकी सही जगह और सम्मान मिले। हम कितने भी बड़े हो जाएं, दिल से तो हमेशा बच्चे ही रहेंगे।

मेरे ख्याल से एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहना चाहिए। हम सभी शांति चाहते हैं, पिता के सपनों को आगे बढ़ाना चाहते हैं और अपने भाई का सम्मान करना चाहते हैं।

बताते चलें कि करिश्मा कपूर ने साल 2003 में संजय कपूर से शादी की थी। इस शादी से कपल को दो बच्चे बेटी समायरा और बेटा कियान हुए। साल 2016 में संजय और करिश्मा ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था। बच्चों की कस्टडी करिश्मा को मिली थी,

हालांकि तलाक के बावजूद कई मौकों पर करिश्मा, संजय के साथ नजर आ चुकी हैं। करिश्मा से तलाक के बाद संजय कपूर ने प्रिया सचदेव से शादी की थी। ये प्रिया की दूसरी शादी थी। पहली शादी से उन्हें बेटी सफीरा है, जिसे संजय कपूर साथ ही रखते थे। इसके अलावा संजय-प्रिया का एक बेटा अजारियस भी है। संजय ने पहली शादी नंदिता महतानी से की थी, हालांकि इस शादी से उन्हें कोई बच्चे नहीं हैं।

विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज द बंगाल फाइल्स में गोपाल मुखर्जी की गलत छवि पेश करने के आरोप, माफी मांगने के लिए नोटिस मिला

फिल्म द बंगाल फाइल्स का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। जिसके बाद डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। मुस्लिम लीग में दंगे रोकने वाले गोपाल मुखर्जी के पोते शांतनु ने डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए उन्हें नोटिस भेजा है।

दरअसल, फिल्म के ट्रेलर में गोपाल मुखर्जी के परिचय में एक था कसाई लिखा गया था। शांतनु ने शिकायत दर्ज करवाते हुए मेकर्स पर उनके दादाजी की गलत छवि पेश करने के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गोपाल मुखर्जी कसाई नहीं बल्कि एक पहलवान और अनुशीलन समिति के मुख्य सदस्य थे। उन्होंने 1946 में मुस्लिम लीग के दंगे रुकवाने में अहम भूमिका निभाई है, हालांकि अब उन्हें एक कसाई के रूप में दुनिया के सामने पेश किया जा रहा है।

इस मामले में शांतनु ने डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें साफ लिखा है कि गोपाल मुखर्जी के गलत चित्रण के लिए विवेक उनसे माफी मांगे। उन्होंने ये भी कहा है कि गोपाल मुखर्जी की गलत छवि पेश करना न सिर्फ गलत है, बल्कि इससे परिवार और समुदाय को भी ठेस पहुंचेगी।

फिल्म अनाउंसमेंट के बाद से ही विवादों में है। पश्चिम बंगाल में इसका जमकर विरोध किया गया था। जिसके बाद डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 16 अगस्त को कोलकाता में ही ट्रेलर रिलीज किया। ट्रेलर रिलीज के समय कुछ विरोधियों ने इसमें बाधा डालने की कोशिश की और तार काट दिए। विवेक रंजन अग्निहोत्री ने इसका जिम्मेदार पश्चिम बंगाल की रूलिंग पार्टी को ठहराया है।

विवेक ने आगे कहा- अभी मुझे पता चला है कि कुछ लोग यहां आए और सभी तार काट दिए। मुझे नहीं पता किसके आदेश पर यह हो रहा है। आप जानते हैं हमारे पीछे कौन लोग हैं।

सभी टेस्ट और ट्रायल के बाद यह कार्यक्रम हो रहा था। होटल मैनेजर्स भी हमें नहीं बता पा रहे कि हमें क्यों रोका गया। 'द बंगाल फाइल्स' की डायरेक्शन विवेक ने किया है। जबकि इसके निर्माता अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री हैं। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

क्या 'गदर 3' में फिर साथ नजर आएगी सकीना और तारा सिंह की जोडी

'गदर 3' के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं है। हालिया इंटरव्यू में डायरेक्टर अनिल शर्मा ने इस फिल्म की घोषणा की है। क्या तीसरी किश्त में अमीषा पटेल भी सकीना के किरदार में नजर आएंगी? दरअसल, पिछले दिनों अमीषा पटेल और अनिल शर्मा के बीच मनमुटाव हुआ था। अपनी फिल्म 'गदर 3' की कहानी, मेकिंग को लेकर डायरेक्टर ने अपडेट दिया। साथ ही अमीषा पटेल के साथ अब रिश्ता कैसा है, इस पर भी बात की।

अनिल शर्मा बोले- 'जरूर बनेगी गदर 3'

अनिल शर्मा कहते हैं, 'अमीषा के साथ मेरा रिश्ता अब बहुत अच्छा है। वक्त के साथ-साथ सब चीजें सही हो जाती हैं। अभी सब बढ़िया है।' वह आगे कहते हैं, 'सकीना (अमीषा पटेल) और तारा (सनी देओल) 'गदर' फिल्म सीरीज का एक जरूरी हिस्सा हैं। लेकिन हम 'गदर 3' की रिलीज से पहले उनके रोल के बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करेंगे। 'गदर 3' जरूर बनेगी।

हमने 'गदर 2' के आखिरी सीन में ही दर्शकों से वादा कर दिया है। जहां उत्कर्ष शर्मा के किरदार जीते को बताया जाता है कि वह सेना में भर्ती होने के लायक है। हमने फिल्म का अंत इसी मैसेज के साथ किया था।'

दो साल के अंदर शुरू होगी 'गदर 3' की शूटिंग

अनिल शर्मा ने आगे कहा, 'फिल्म 'गदर 3' बनने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन दर्शक चिंता ना करें, इसमें 20 साल और नहीं लगेंगे। हमें उम्मीद है कि अगले दो साल में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। हम स्क्रिप्ट पर काम कर चुके हैं। यह तारा (सनी देओल) और जीते (उत्कर्ष शर्मा)की कहानी पर फोकस होगी।'

अमीषा पटेल को क्यों थी अनिल शर्मा से नाराजगी?

बताते चलें कि जब 'गदर 2' रिलीज हुई तो अमीषा पटेल को बिना बताए इसका क्लाइमैक्स शूट कर लिया गया। इस बात से अमीषा नाराज हो गईं। लेकिन इस नाराजगी के बावजूद भी अमीषा पटेल ने पिछले दिनों मनीष पॉल के पॉडकास्ट में कहा था कि वह पुरानी बातों को भूल जाना चाहती हैं। अगर सही पेपरवर्क होगा तो वह 'गदर 3' करना चाहेंगी।'

- : पंपिंग स्टेशन में सफाई के दौरान मरे सफाईकर्मियों :-

जेई तीन माह के लिए सेवा से बाहर, दो अन्य पर कार्रवाई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा सेक्टर-115 में 16 अगस्त को पंपिंग स्टेशन के सीवर की सफाई के दौरान दो सफाई कर्मियों की मौत हो गई थी। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने तुरंत सख्त कदम उठाए। अवर अभियंता अनिल वर्मा संविदा को 3 महीने के लिए सेवा से मुक्त किया गया है। वहीं प्रबंधक पवन बरनवाल को प्रतिकूल प्रविष्टि और वरिष्ठ प्रबंधक अशोक कुमार वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इस हादसे की जांच अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश को सौंपी गई थी। उन्होंने सीईओ को रिपोर्ट दी, जिसमें इन तीनों अधिकारियों को प्रथम दृष्टया लापरवाही का दोषी पाया गया।

जल एवं सीवर विभाग द्वारा ठेकेदारों को बार-बार सख्त हिदायत दी गई थी कि बिना सुरक्षा उपकरण और मास्क के किसी भी सफाई कर्मी को सीवर में न उतारा जाए। लेकिन चेतावनियों की अनदेखी करते हुए ठेकेदारों ने बिना सुरक्षा साधनों के सफाई कर्मियों को सीवर में उतार दिया।सुरक्षा इंतज़ाम न होने के कारण सीवर में मौजूद जहरीली गैस से दम घुटने की वजह से दोनों सफाई मजदूरों की मौत हो गई।

10 बजे के बाद शराब की दुकान खुली तो खैर नहीं : सुबोध कुमार

आबकारी निरीक्षकों ने कई ठेकों पर किया सघन निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षकों की संयुक्त टीम द्वारा मलकपुर, लखनावली, सेक्टर-110, याकूबपुर,नयागांव क्षेत्र स्थित देशी शराब दुकान, कम्पोजिट शॉप, मॉडल शॉप का सघन निरीक्षण किया गया। सभी दुकानों पर नियमों को सुनिश्चित कराने के साथ ही दुकानों पर गोपनीय टेस्ट परचेज करवाया गया।

समस्त मदिरा दुकानों पर लगे सीसीटीवी रिकॉर्डिंग रियल टाइम बेस पर सुरक्षित रखने एवं पीएसओ मशीन से 100% बिक्री करने हेतु अनुज्ञापियों एवं विक्रेताओं को निर्देशित किया गया। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार द्वारा रात्रि 10 बजे के बाद दुकानों से या उसके आस पास अवैध बिक्रीपाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने हेतु क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षकों को निर्देशित किया गया।

तीनों तहसीलों में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

70 शिकायतें मिली, 10 का मौके पर हुआ निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनता की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से जिले की तीनों तहसीलों में आज संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 70 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 10 शिकायतों का समाधान मौके पर ही संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया।

जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मेधा रूपम ने तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निस्तारण के दिशा-निर्देश दिए। सदर तहसील में कुल 6 शिकायतें दर्ज की गईं, जिसके सापेक्ष 2 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही किया गया।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए शासन गंभीर है। अत: अधिकारीगण निस्तारण में कोताही न बरतें और प्राथमिकता के साथ प्रत्येक शिकायत का मौके पर जांच कर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के उपरांत जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सदर तहसील के परिसर में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधा रोपित कर, पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी टीकम सिंह, तहसीलदार सदर प्रतीक चौहान एवं संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इसी क्रम में दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 39 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसके सापेक्ष 7 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। जेवर तहसील में उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 25 शिकायते दर्ज की गईं, जिसके सापेक्ष 01 शिकायत का निस्तारण सम्बंधित अधिकारी के माध्यम से मौके पर ही किया गया।

पर्यावरण की रक्षा हेतु प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना हम सभी का कर्तव्य : पंकज सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। विधायक नोएडा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा उत्तर प्रदेश पंकज सिंह ने नोएडा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम क्रमश: बारात घर, गांव रायपुर; बारात घर, गांव बख्तावरपुर; तथा बारात घर, गांव अट्टा में सम्पन्न हुआ।

जनसंवाद के दौरान विधायक जी ने क्षेत्र की जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक जी ने विशेष रूप से अपील की कि प्लास्टिक का प्रयोग पूर्णत: बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण और प्रकृति के लिए अत्यंत घातक है, अत: हमें इसे त्यागकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ना होगा। उन्होंने नोएडा की जनता से आह्वान किया कि पर्यावरण की रक्षा और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए सभी लोग एकजुट होकर प्लास्टिक का उपयोग बंद करें।कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान जी अमित त्यागी, डिंपल आनंद, महेश अवाना, करतार चौहान, ओमबीर अवाना, प्रदीप चौहान, सुधीर चौहान, लोकेश कश्यप, विपुल शर्मा, रवि अवाना, राजेन्द्र शर्मा, दयाराम मेम्बर, सुमित अवाना, बबलू यादव,विपिन प्रधान, बिल्लू अवाना, विनोद गुरुजी, पुरन, भूपेश चौधरी, मनोज चौहान, अशोक मिश्रा, राम मेहर कौशिक, नीरज चौहान अतुल त्यागी, देवेंद्र भदोरिया सहित नोएडा प्राधिकरण के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बाढ़ से निपटने की तैयारी को लेकर डीएम ने की समीक्षा

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में बाढ़ तैयारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बाढ़ की स्थिति से निपटने हेतु की गई तैयारियों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बाढ़ चौकियों को सक्रिय रखा जाए तथा वहां पर्याप्त संख्या में ड्यूटी लगाई जाए और जरूरी उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित हो।

जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि वह नियमित रूप से नदियों के जल स्तर की निगरानी करें तथा समय-समय पर प्रशासन को अवगत कराएं। बाढ़ से प्रभावित होने वाले ग्रामों के निवासियों को सतर्क रहने और पानी बढ़ने की संभावना के बारे में लगातार जानकारी दी जाए। साथ ही प्राधिकरणों के अधिकारियों से कहा कि डूब क्षेत्रों में जो गौशालाएं है, उनको लेकर भी वैकल्पिक व्यवस्था रखी जाए, क्योंकि यदि जनपद में बाढ़ की स्थिति बनती है तो वहां से गोवंशों को रेस्क्यू करके सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति से निपटने हेतु आपसी समन्वय बनाते हुए अपनी सभी तैयारियों को पूर्ण रखें और राहत कार्यों को लेकर पहले से ही अपनी योजना तैयार कर ली जाए।

बैठक में उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, एआरओ चारुल यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग से पवन कुमार,

मतदाता पुनरीक्षण कार्य आज से शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशा0)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मंगलेश दुबे ने बताया कि जनपद की पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य आज से प्रारम्भ हो रहा है, जिसके अन्तर्गत घर-घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानों / वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जाँच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ होगा।

उन्होंने बताया कि जनपद के सभी अर्ह भारतीय नागरिक उक्त कार्य की अवधि में ही अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराना सुनिश्चित कर लें। ऐसे भारतीय नागरिक जो किसी ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत सामान्य रूप से निवास कर रहे है, 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर लिए हों।

उन्होंने यह भी बताया कि त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतन्त्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। अपना और अपने परिवार के सभी अर्ह सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज है अथवा नहीं की जाँच कर लें। यदि दर्ज नहीं है तो अवश्य दर्ज कराएं और इस हेतु घर पर पहुँचने वाले बी0एल0ओ0 को वांछित सूचना दिए बिना कदापि वापस न करें। यदि आप के अथवा आप के परिवार के किसी नाम व प्रविष्टि में कोई संशोधन होना है या किसी नाम व प्रविष्टि को विलोपित किया जाना है तो उसे घर पर पहुंचने वाले बी0एल0ओ0 को अवश्य अवगत करा दें।

उन्होंने बताया कि यदि 25 अगस्त, 2025 तक कोई बी0एल0ओ0 आपकी ग्राम पंचायत में न पहुँचे या कोई शिकायत हो तो आपातकाल जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) प्रभारी अधिकारी, जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी से दूरभाष पर अथवा व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें।

मेघ मल्हार का हुआ आयोजन, 40 कलाकारों की प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-107 में फाउंडेशन फार कृष्णा कला व एजुकेशन सोसाइटी द्वारा द्वारा वर्षा ऋतु और प्रकृति आधारित संगीत-नृत्य कर कलाकारों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

मेघ मल्हार महोत्सव नृत्य और संगीत में प्रकृति की आराधना की थीम पर आयोजित किया गया जिसका निर्देशन एवं कोरियोग्राफी मशहूर कथक नृत्यागना डॉ. अनु सिन्हा ने किया। इसमें 40 कलाकारों ने भाग लिया और सुंदर प्रस्तुति दी। इसमें राग मेघ व मियाँ मल्हार पर आधारित शास्त्रीय संगीत प्रस्तुति और भरतनाट्यम, ओडिसी व कथक शैली में नृत्यमय वर्षा की अभिव्यक्ति एवं वृक्षों, पत्तियों और वनों की सजीव छवि ओडिसी और समकालीन नृत्य के माध्यम से प्रकृति के महत्व का चित्रण किया गया। कार्यक्रम में एनटीपीसी एवं इंडियन आयल का सहयोग रहा। कार्यक्रम बहुत ही सुंदर ढंग से आयोजित किया गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

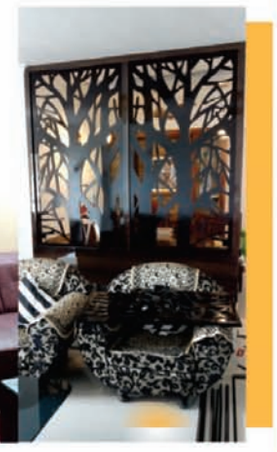

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com